

छात्रवृत्ति खा गई थी सपा सरकार- योगी ‘तारीख पर तारीख’ का दौर खत्म, एफआईआर से सुप्रीम कोर्ट तक 3 साल में मिलेगा न्याय : अमित शाह

अगले महीने 50 हजार मेधावी छात्राओं को स्कूटी देगी सरकार
मुख्यमंत्री ने 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खाते में हस्तांतरित की 148 करोड़ रुपये से अधिक छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्ववर्ती सपा सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि 2016-17 में अनुसूचित जाति-जनजाति की छात्रवृत्ति भेजी ही नहीं गई। तत्कालीन सरकार यह छात्रवृत्ति खा गई। 2017 में हमारी सरकार बनी तो हमने 2016-17 व 2017-18 की छात्रवृत्ति एक साथ भेजी। पहले केवल 2900 करोड़ रुपये ही छात्रवृत्ति दी जाती थी। आज हमारी सरकार 6200 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति देती है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को लोकभवन में चालू वित्त वर्ष के लिए पूर्वदशम 9-10 तथा दशमोत्तर कक्षाओं के 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खाते में 148 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति हस्तांतरित की और 11 विद्यार्थियों को अपने हाथ से छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र भी सौंपे। सीएम ने आश्चर्य व्यक्त किया कि छात्रों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। हर पात्र बच्चे को छात्रवृत्ति मिलेगी, छूटे हुए बच्चे भी जल्द आवेदन करें। उन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन



कोई बच्चा छूटना नहीं चाहिए, सबके खातों में पैसे समय पर जाने चाहिए।
-सीएम योगी

करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति की राशि को खान-पान के बजाय शिक्षा पर ही खर्च की जाए। इससे अच्छी पाठ्य पुस्तकें, रेफरेंस बुक खरीदिए। पाठ्यक्रम के साथ ही महापुरुषों की आत्मकथा, ज्ञानवर्धक व धार्मिक पुस्तकों को पढ़िए, अपना बुक बैंक बढ़ाइए। सरकार दो करोड़ युवाओं को टैबलेट दे रही है, 60 लाख को मिल चुका है। शेष को भी जल्द दिया जाएगा। पहले 100 में 60-70 बच्चों को ही छात्रवृत्ति का लाभ मिलता था। बाबू और अन्य लोग

इस पर डाका डालते थे, छात्र ठगा रहता था। छात्रवृत्ति के लिए चक्कर लगाने में उससे ज्यादा तो युवाओं का किराया लग जाता था। लेकिन, आज खाता खोलकर छात्रों का पैसा सीधे उसमें भेजा जाता है। हमारे समय यह व्यवस्था नहीं थी, लेकिन मोदी जी ने जीरो अकाउंट पर बैंक खाते खुलवा दिए। गत वर्ष 69 लाख बच्चों को 6200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई। 9 वर्ष में 4 करोड़ से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति-शुल्क प्रतिपूर्ति

मिली है, जबकि 2017 के पहले यह राशि और छात्रों की संख्या भी कम थी। गत वर्ष अनुसूचित जाति-जनजाति के 26.26 लाख विद्यार्थियों को 2750 करोड़, अल्पसंख्यक वर्ग के 5.89 लाख बच्चों को 360 करोड़, पिछड़ा वर्ग के 37 लाख विद्यार्थियों को 3072 करोड़ रुपये छात्रवृत्ति दी गई। अल्प आय वर्ग वर्ग के 9.40 लाख बच्चों को छात्रवृत्ति दी गई। सरकार ने छात्रवृत्ति वितरण की समयसीमा तय की है। प्रवेश प्रक्रिया संपन्न होने के बाद छात्रवृत्ति की राशि खाते

में भेजनी शुरू की गई। तय किया गया कि 2 अक्टूबर तथा 26 जनवरी तक हर हाल में छात्रों तक धनराशि पहुंच जाए। पहले जेईई, नीट की तैयारी के लिए युवा दूसरे राज्यों में जाते थे। अब युवा मुख्यमंत्री अभ्युदय कोविंग के जरिए इसका लाभ उठा रहे हैं। सीएम ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना व मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगले महीने 50,000 मेधावी बच्चियों को स्कूटी देंगे। 2017 के पहले सैफई सिंडिकेट को लूट-खसोट से ही फुर्सत नहीं थी। सीएम ने समाज कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग से कहा कि हर महीने बच्चे के खाते में पैसा जाए, कोई पात्र बच्चा छूटे न जाए। पिछली बार कई कारणों से एससी-एसटी वर्ग के 4 लाख बच्चों को छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई। हर पात्र बच्चे तक छात्रवृत्ति पहुंचाएंगे। आज 4.60 लाख बच्चों को छात्रवृत्ति मिल रही है।

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि भारत की न्याय व्यवस्था कभी श्तारीख पर तारीख के लिए जानी जाती थी, लेकिन नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय तक तीन साल में न्याय दिलाने का पूरा काम हो जाएगा।

राज्य की राजधानी भोपाल के भेल इलाके में स्थित दशहरा मैदान में नए आपराधिक कानूनों पर केंद्रित राज्यस्तरीय प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद शाह ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद देश की आपराधिक न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे आधुनिक न्याय प्रणालियों में शामिल होगी। शाह ने देशभर में नशे के खिलाफ जारी अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार ऐसी योजना पर काम कर रही है, जिससे 31 दिसंबर 2029 के बाद मध्यप्रदेश में नशे के लिए कोई जगह नहीं बचेगी।

उन्होंने कहा, भारत की न्याय व्यवस्था कभी श्तारीख पर तारीख के तारों के लिए जानी जाती थी, लेकिन अब नए आपराधिक कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद



प्राथमिकी दर्ज होने से लेकर उच्चतम न्यायालय तक तीन वर्ष में न्याय दिलाने का पूरा काम हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि तीन नए कानूनों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी को समाहित करते हुए फॉरेंसिक जांच के प्रावधान किए गए हैं और इनके माध्यम से महिला सुरक्षा, शॉर्ब लिचिंग (श्रीड हिंसा), गुमशुदा बच्चों और आतंकवाद से नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कानूनी प्रावधान किए गए हैं। भारत में एक जुलाई 2024 को भारतीय न्याय संहिता, 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम प्रभावी हुए थे।

उन्होंने कहा कि अंग्रेजों द्वारा बनाए गए कानून उनके शासन को बचाने के लिए थे, जबकि तीन नए आपराधिक कानून भारत के नागरिकों के सम्मान, संपत्ति

और शरीर की रक्षा के लिए हैं। शाह ने कहा, इन कानूनों का मूल मंत्र न्याय है, दंड नहीं। दंड का प्रावधान केवल अपराधियों को अपराध करने से रोकने के लिए है। इन कानूनों के पूर्ण क्रियान्वयन के बाद हमारी आपराधिक न्याय व्यवस्था दुनिया की सबसे आधुनिक न्याय प्रणालियों में शामिल होगी। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि आजादी के बाद से कृषि व्यवस्था, ग्रामीण विकास और सहकारिता से जुड़े लोग अलग सहकारिता मंत्रालय की मांग करते रहे, लेकिन तत्कालीन सत्तारूढ़ पार्टी ने 75 वर्षों तक अलग सहकारिता मंत्रालय नहीं बनने दिया। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अलग सहकारिता मंत्रालय की स्थापना कर सहकारिता क्षेत्र को नयी दिशा दी।

अलग ड्रोन फोर्स नहीं बनाएंगे, वायुसेना प्रमुख ने बताया भविष्य का प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भारतीय वायुसेना की वार्षिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने ड्रोन को लेकर वायुसेना की रणनीति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि ड्रोन भारतीय वायुसेना के लिए कोई नई या क्रांतिकारी क्षमता नहीं है, बल्कि यह लंबे समय से मौजूद क्षमताओं के विस्तार का हिस्सा है। उन्होंने



कहा कि वायुसेना में ड्रोन और लोडिंग म्यूनिशन की संख्या, प्रकार और क्षमताएं लगातार बढ़ाई जा रही हैं। हालांकि, उन्होंने अलग से ड्रोन फोर्स बनाए जाने की संभावना से इनकार किया। एपी सिंह ने कहा कि ड्रोन और अन्य हथियार प्रणालियों को अलग-अलग काम करने के बजाय एक साथ इस्तेमाल करना ज्यादा प्रभावी होगा। उनके मुताबिक, युद्ध के मैदान में अलग-अलग हथियारों को एक-दूसरे से अलग रखकर संचालन करने के बजाय उनके बीच तालमेल जरूरी है। उन्होंने कहा कि ड्रोन को मौजूदा व्यवस्था का हिस्सा बनाकर दूसरे हथियारों और प्लेटफॉर्म के साथ मिलकर इस्तेमाल किया जाना चाहिए। वायुसेना में पहले से ऐसी क्षमताओं के लिए विशेष इकाइयां मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर इनकी संख्या बढ़ाई जा सकती है।

10 अक्टूबर से पहले अकाउंट भी हट सकता है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने शनिवार को कहा कि अगर उनका एक्स अकाउंट 10 अक्टूबर से पहले हटा दिया जाए तो उन्हें हैरानी नहीं होगी। यह बयान उनकी उस पोस्ट को एक्स पर प्रतिबंधित किए जाने के बाद आया, जिसमें उन्होंने पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को आंदोलन का समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया था। दीपके ने एक्स पर ममता बनर्जी को टैग करते हुए उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया था और लोगों से लोकतंत्र

की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील की थी। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डेरेंक ओशब्रायन ने इस पोस्ट को साझा किया। बाद में एक्स पर पोस्ट उपलब्ध नहीं रही और उसकी जगह स्थानीय नियमों के कारण सामग्री प्रतिबंधित होने का संदेश दिखाई दिया। पोस्ट प्रतिबंधित होने के बाद डेरेंक ओशब्रायन ने कहा कि ममता बनर्जी ने कॉकरोच आंदोलन के समर्थन में मजबूती से अपनी बात रखी थी और दीपके ने इसके लिए उन्हें धन्यवाद दिया था। ओशब्रायन ने इस कार्रवाई के पीछे सरकार का हाथ होने का आरोप भी लगाया।

संघर्ष जोड़ो, भारत जोड़ो

राहुल गांधी ने लॉन्च किया ‘सत्याग्रह’ पोर्टल, देशभर के आंदोलनों को जोड़ने की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को ‘सत्याग्रह’ नाम का डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। इस प्लेटफॉर्म का उद्देश्य देशभर में चल रहे अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों और आंदोलनों की जानकारी को एक जगह जुटाना और समान मुद्दों पर संघर्ष कर रहे लोगों को जोड़ना है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर वीडियो पोस्ट कर लोगों से अन्याय के खिलाफ अपने संघर्ष की कहानी साझा करने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनकारी अपने मुद्दे की जानकारी प्लेटफॉर्म पर दर्ज कर सकते हैं। इसके अलावा इंटरैक्टिव मैप के जरिए देश के अलग-अलग हिस्सों में समान मुद्दों पर चल रहे आंदोलनों को भी देखा जा सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि देशभर में कई लोग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष



कर रहे हैं और कई बार उन्हें अकेले अपनी आवाज उठानी पड़ती है। उन्होंने छात्रों, किसानों, आदिवासियों, दलितों और महिलाओं से जुड़े आंदोलनों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अकेले उठने वाली आवाज दब सकती है। ऐसे में सत्याग्रह पहल के जरिए इन आवाजों को

एक नक्शे पर लाने की कोशिश की गई है। उन्होंने लोगों से अपील की कि अगर वे किसी अन्याय के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं तो अपनी कहानी साझा करें। राहुल गांधी के मुताबिक, कहानी साझा करने में करीब दो मिनट लगेंगे। इसके बाद वह कहानी प्लेटफॉर्म के मैप पर दिखाई देगी और लोग

यह भी देख सकेंगे कि देश के दूसरे हिस्सों में कौन लोग इसी तरह के मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के तौर पर वह जरूरत के मुताबिक इन मुद्दों को संसद में उठाने, सड़कों पर लोगों के साथ खड़े होने और पत्र लिखने की कोशिश करेंगे।

PRESS

हमेशा आपके साथ

शहर समता

संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website

www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube

youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

महाकुंभ से पहले बना करोड़ों का रिटायरिंग रूम ताले में

प्रयागराज। प्रशासनिक उदासीनता के कारण प्रयागराज संगम रेलवे स्टेशन में महाकुंभ—2025 से पहले करोड़ों की लागत से बनाए गए रेलवे के रिटायरिंग रूम पर ताला लगा है। इससे यात्रियों को परेशानी हो रही है। स्टेशन के दूसरे तल पर 14



आधुनिक कमरों और तीन डॉरमेट्री वाला रिटायरिंग रूम तैयार किया गया था। डॉरमेट्री की क्षमता 90 बेड की है। स्टेशन के पहले तल पर रिटायरिंग रूम का बोर्ड भी टंगा हुआ है। इसे देखकर यात्री जब द्वितीय तल पर पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें वहां ताला लटका मिलता है। महाकुंभ के दौरान कुछ समय के लिए इसका इस्तेमाल रेलकर्मियों के रहने के लिए किया गया था।

यहां से ऊंचाहार, नौचंदी, गंगा-गोमती एक्सप्रेस और योगनगरी ऋषिकेश समेत लंबी दूरी की ट्रेनें चलती हैं। रोजाना काफी यात्रियों का आना-जाना होता है। स्टेशन पर उतरने वाले यात्रियों को रात गुजारने या विश्राम करने के लिए होटलों की तलाश में दर-दर भटकना पड़ता है। वहीं, उत्तर रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि रिटायरिंग अब तक क्यों नहीं खोला जा सका है इस बारे में लखनऊ मंडल के अफसरों से बात की जाएगी। यात्रियों को बेहतर सुविधाएं देना ही हमारा लक्ष्य है।

240 दिन की निरंतर सेवा साबित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी श्रमिक की: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि 240 दिन की निरंतर सेवा साबित करने की प्राथमिक जिम्मेदारी श्रमिक की है। इस टिप्पणी संग कोर्ट ने श्रम अदालत वाराणसी के 22 श्रमिकों की पुनर्बहाली और उन्हें दो तिहाई पिछला वेतन दिए जाने के आदेश को रद्द कर दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति सौरभ श्याम शमशेरी की एकल पीठ ने सैम हिगिनबॉटम इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज की याचिका पर दिया है। श्रम अदालत ने अपने फैसले में माना था कि 22 श्रमिकों को पांच अक्तूबर 201० को अवैध रूप से सेवा से हटा दिया गया था, जबकि वे एक वर्ष में 240 दिनों से अधिक समय से लगातार काम कर रहे थे। संस्थान ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। संस्थान के अधिवक्ता ने दलील दी कि श्रमिकों ने ऐसा कोई लिखित साक्ष्य, मास्टर रोल या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया, जिससे यह साबित हो सके कि उन्होंने एक साल में 240 दिन कार्य किया है। साथ ही बिना ठोस आधार के पिछला वेतन देने का आदेश भी कानून के विपरीत है। कोर्ट ने कहा कि यह साबित करने की शुरुआती जिम्मेदारी श्रमिक की होती है कि उसने एक कैलेंडर वर्ष में 240 दिन लगातार काम किया है। केवल लिखित कथन या मौखिक दावों के आधार पर इसे सिद्ध नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने माना कि श्रम अदालत की ओर से यह निष्कर्ष निकालना कि श्रमिकों ने 240 दिन काम किया है, एक त्रुटिपूर्ण निर्णय था। इन आधारों को ध्यान में रखते हुए हाईकोर्ट ने लेबर कोर्ट के फैसलों को निरस्त करते हुए संस्थान की याचिकाओं को स्वीकार कर लिया।

बरना ने ऊंचाहार को 150 रन से हराया

प्रयागराज। क्षेत्र के बरना ग्राउंड पर शुक्रवार को गांधी जयंती के अवसर पर बरना और ऊंचाहार की टीमों के बीच 20 ओवर का क्रिकेट मैच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी बरना की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 212 रन बनाए।



टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज शिव और मुकेश ने पारी की शुरुआत की। शिव ने 58 गेंदों पर 110 रन की शानदार पारी खेली, जबकि राज प्रजापति ने 65 रन बनाए।

ऊंचाहार की ओर से गेंदबाजी करते हुए अर्पित ने छह ओवर में पांच विकेट हासिल किए, जबकि अंश ने पांच ओवर में तीन विकेट लिए। 212 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऊंचाहार की टीम बरना के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सकी और पूरी टीम 78 रन पर ऑलआउट हो गई। ऊंचाहार की ओर से पवन और सुरेश ने सलामी बल्लेबाज के रूप में 40 रन की साझेदारी की। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते गए। बरना की ओर से साहिल ने चार, करन ने तीन और उज्ज्वल ने दो विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। इस तरह बरना ने ऊंचाहार को 150 रन से हराकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच में रेफरी की भूमिका भूपेंद्र और अमन ने निभाई।

अनिल बने बासूपुर दंगल के चैंपियन पहलवान

प्रयागराज। ब्लॉक के बासूपुर गांव स्थित प्राचीन तालाब परिसर में आयोजित पारंपरिक दंगल में झूसी प्रयागराज के लखन को चित करके कछवां मिर्जापुर के अनिल पहलवान अखाड़ा के चॉंपियन पहलवान बन गए। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व पूर्व विधायक बाबू भुवर की स्मृति में आयोजित प्रतियोगिता में कई प्रांत एवं जनपदों के महिला-पुरुष पहलवानों ने कुश्ती कला का प्रदर्शन किया। झूसी के फूलचंद ने वाराणसी के राजू को, प्रतापगढ़ के अंकित ने झूसी के गोपाल को, कानपुर की खुशी पाल ने हरियाणा की बलराजी को, गोरखपुर की तन्मया ने वाराणसी की अनीता को, भदोही के राजा ने झूसी के सूरज को पटखनी दी। सुल्तानपुर की साहिबा ने हरियाणा की नीलू को, नेपाल के बादल ने डीएलडबल्यू वाराणसी आनंद पहलवान को चित किया। सपा के पूर्व जिलाध्यक्ष योगेशचंद्र यादव, ब्रह्मप्रकाश यादव एडवोकेट, पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. सुरेशचंद्र मौर्य ने परंपरा को कायम रखने की सराहना करते हुए पहलवानों का हौसला अफजाई की। आयोजक मंडल से जुड़े दयाराम यादव प्रधान, रमाशंकर, शोभनाथ, सचिन यादव, राजकुमार ने अतिथियों पहलवान और दर्शकों के प्रति आभार जताया।

महंगाई बढ़ी तो बढ़ेगा भरण-पोषण, हर साल 1० प्रतिशत वृद्धि के आदेश पर हाईकोर्ट की मुहर

प्रयागराज। महंगाई के दौर में भरण—पोषण की रकम वर्षों तक स्थिर रहने से आश्रितों को होने वाली परेशानी को देखते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हर साल 10 प्रतिशत बढ़ोतरी के आदेश को उचित ठहराया है। कोर्ट ने पारिवारिक अदालत की इस व्यवस्था को नई और अच्छी पहल बताते हुए पति की चुनौती खारिज कर दी।

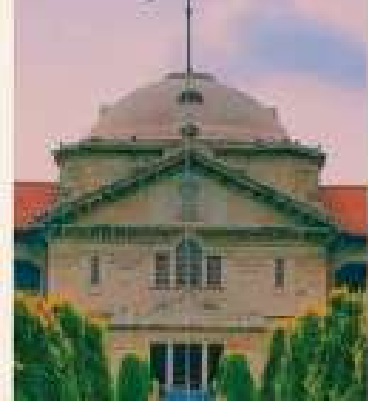
इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पारिवारिक अदालत के भरण—पोषण मामले में सालाना 10 प्रतिशत बढ़ोतरी के आदेश की सराहना की है। कोर्ट ने कहा कि बढ़ती महंगाई को देखते हुए यह एक अच्छी और नई पहल है। यह आदेश न्यायमूर्ति लक्ष्मीकांत शुक्ला की एकलपीठ ने राकेश कुमार की ओर से दायर आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर दिया।

प्रयागराज की पारिवारिक अदालत ने पत्नी की ओर से भरण—पोषण के लिए दायर आवेदन को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए पति राकेश

कुमार को आवेदन की तिथि से

3,000 रुपये प्रति माह देने का आदेश दिया था। साथ ही निर्णय

की तिथि से 4,000 रुपये प्रति



माह भरण—पोषण देने के लिए कहा था। इसके साथ ही पारिवारिक अदालत ने यह व्यवस्था भी दी थी कि इस राशि में हर वर्ष 10 प्रतिशत की दर से स्वतः वृद्धि होगी। पति ने इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। पति की ओर से कहा गया कि पति—पत्नी के रिश्ते और पत्नी के भरण—पोषण

में असमर्थ होने से इन्कार नहीं

है, लेकिन हर वर्ष 10 प्रतिशत की वृद्धि का आदेश अवैध और

अनुचित है। वहीं, राज्य सरकार

के लिए है। अदालत ने टिप्पणी की कि सामान्य समझ की बात है कि महंगाई हर वर्ष लगभग

10 प्रतिशत की दर से बढ़ रही

भरण-पोषण की रकम सालाना बढ़ाने का आदेश बरकरार हाईकोर्ट ने कहा- अच्छी पहल

और पत्नी के वकील ने इसका विरोध करते हुए कहा कि यह कदम बार—बार अदालत के चक्कर लगाने और मुकदमों का बोझ बढ़ाने से रोकने के लिए एक बेहतरीन पहल है।

हाईकोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पाया कि 4,000 रुपये की मासिक राशि केवल बुनियादी जरूरतों को पूरा करने

एकलव्य चौराहे के पास पानी की टंकी पर चढ़ी महिला व उसके परिजनों समेत 50 पर प्राथमिकी दर्ज

प्रयागराज। एकलव्य चौराहे के पास पानी की टंकी पर चढ़ी महिला के मामले में पुलिस ने उसपर व उसके चार परिजनों समेत 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि पूनम के समर्थन में लोगों ने बैरियर लगाकर कानपुर रोड जाम कर दिया।

एकलव्य चौराहे के पास पानी की टंकी पर चढ़ी महिला के मामले में पुलिस ने उस पर व उसके चार परिजनों समेत 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि पूनम के समर्थन में लोगों ने बैरियर लगाकर कानपुर रोड जाम कर दिया। इस दौरान पुलिस और एसडीएम सदर के

सरस्वती हाईटेक सिटी में 1०0 एकड़ में बनेगा गोल्फ कोर्स

प्रयागराज। सरस्वती हाईटेक सिटी में 100 एकड़ में गोल्फ कोर्स बनाने की तैयारी है। इसके साथ 10 एकड़ में रिसॉर्ट और बजट होटल भी बनाए जाएंगे। दोनों परियोजनाओं को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। सात अक्तूबर को होने वाली यूपी सीडा की बोर्ड बैठक में भूखंडों के मूल्य निर्धारण और आवंटन नीति से संबंधित डीपीआर पर विचार किया जाएगा। हालांकि, गोल्फ कोर्स और होटल परियोजनाओं को अभी अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है।

सरस्वती हाईटेक सिटी के निरीक्षण के दौरान शुक्रवार को यूपीसीडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) डॉ. बलकार सिंह ने अधिकारियों को गोल्फ कोर्स का प्रस्ताव तैयार करने के लिए कहा। उन्होंने सिटी के 125 एकड़ के ग्रीन एरिया की जानकारी ली। जीएम संतोष कुमार ने बताया कि इसमें से 25 एकड़ भूमि एक उद्योग को आवंटित की

रीता बहुगुणा के बाद फिर महिला दांव, मोना संभालेंगी कमान

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में प्रतापगढ़ के रामपुर खास से विधायक और आराधना मिश्रा ‘मोना’ को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष की कमान सौंप कर बड़ा सियासी दांव खेला हे। इस राजनीतिक बदलाव के बीच सबसे खास पहलू उनका शैक्षिक बैकग्राउंड और महिला नेतृत्व के तौर पर उनकी उभार है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय से स्नातक और एमबीए की डिग्री हासिल कर चुकी आराधना मिश्रा की पहचान सूबे की पढ़ी-लिखी और मुखर महिला राजनेताओं में होती है। पार्टी सूत्रों का मानना है कि उनकी यह अकादमिक पृष्ठभूमि और प्रशासनिक समझ उन्हें अन्य नेताओं से अलग खड़ा करती है। कांग्रेस हाईकमान ने इस नियुक्ति के जरिए एक बार फिर उत्तर प्रदेश में महिला नेतृत्व पर बड़ा भरोसा जताया है। इससे पहले प्रो. रीता बहुगुणा जोशी भी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष की कमान संभाल चुकी हैं, हालांकि पिछले कई वर्ष से वह भाजपा में हैं। फिलहाल कांग्रेस ने अब एक बार फिर पार्टी ने महिला चेहरे को आगे कर सियासी समीकरण साधने की कोशिश की है। अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस की यह रणनीति बेहद सधी हुई मानी जा रही है। आराधना मिश्रा के जरिए पार्टी की नजर सूबे की आधी आबादी (महिलाओं) और ब्राह्मण मतों पर टिकी है। वह राज्यसभा सांसद और दिनेश्वर ब्राह्मण नेता प्रमोद तिवारी की पुत्री हैं। ऐसे में इस नियुक्ति से पार्टी सगर्ण खासकर ब्राह्मण मतदाताओं के बीच एक मजबूत संदेश देने की जुगत में है। प्रदेश महासचिव मुकुंद तिवारी और प्रवक्ता हसीब अहमद ने नेतृत्व के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि आराधना मिश्रा ने हमेशा से प्रदेश में ब्राह्मणों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों पर हो रहे उत्पीड़न के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक जोरदार लड़ाई लड़ी है।

भगवतपुर निवासी पूनम दुबे जल निगम की पानी की टंकी पर चढ़ गईं। महिला ग्राम सभा भगवतपुर में मंदिर के बगल से बन रही पक्की सड़क का काम



रोकने की मांग कर रही थी। मांग पूरी नहीं होने पर टंकी से कूदकर आत्महत्या करने की धमकी देने का आरोप है।



एकड़ में विकसित हाईटेक

सिटी में एक दशक बाद भी अपेक्षित औद्योगिक और

आवासीय विकास नहीं हो सका

है। ऐसे में गोल्फ कोर्स और होटल जैसी परियोजनाओं के जरिये क्षेत्र में निवेश, पर्यटन और व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने की कोशिश की जा रही

जबकि काफी पर्यटक आते हैं।

18 होल का होगा गोल्फ कोर्स

गोल्फ कोर्स में 18 होल होंगे। हर होल के साथ टीइंग ग्राउंड (शुरुआती स्थान), फेयरवे (गेंद खेलने के लिए निर्धारित घास का क्षेत्र) और पुर्टिंग ग्रीन (होल के आसपास का क्षेत्र) विकसित

मौके पर मौजूद लोग पूनम को लगातार उकसा रहे थे और उनसे कह रहे थे कि मांग नहीं मानी जा रही है तो टंकी से कूदकर जान दे दें। पुलिसकर्मियों ने लोगों को हाईवे से जाम हटाने के लिए समझाया, लेकिन पूनम के मुताबिक मांग पूरी होने तक जाम नहीं खोलने की बात कही गई। सिविल लाइंस थाना प्रभारी रामाश्रय यादव ने बताया कि जाम के कारण आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया था और लंबी दूरी के वाहनों के साथ एंबुलेंस भी फंस गई थीं। करीब शाम पांच बजे जाम खुल गया, लेकिन पूनम दुबे टंकी पर ही उडी रहीं। इसके बाद भी मौके पर अराजकता की स्थिति बनी रही।

अपनी बात रखने के लिए जजों के पास न्यायिक आदेशों के अलावा कोई मंच नहीं बचा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने न्यायपालिका की आंतरिक कार्यप्रणाली, प्रशासनिक व्यवस्था और न्यायाधीशों के बीच संवाद की कमी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। अधीनस्थ अदालतों में मुकदमों के वर्षों से लंबित रहने और कार्यप्रणाली की समीक्षा से जुड़े एक मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने तत्ख टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के भीतर संस्थागत संवाद का कोई प्रभावी माध्यम नहीं बचा है। ऐसी परिस्थितियां बन गई हैं कि न्यायाधीशों को अपनी चिंताओं, सुझावों या प्रशासनिक समस्याओं को उठाने के लिए न्यायिक आदेशों के अलावा कोई अन्य मंच ही उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। हाईकोर्ट ने अपने 80 पन्नों के विस्तृत फैसले (पप्पू बनाम यूपी राज्य केस) में स्पष्ट किया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट रूल्स, 1952 के तहत मुख्य न्यायाधीश के लिए हर तीन महीने में कम से कम एक बार फुल कोर्ट की बैठक बुलाना अनिवार्य है। इसके विपरीत पिछले 10 वर्षों में केवल 16 फुल कोर्ट बैठकें ही बुलाई गईं। अदालत ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्य न्यायाधीश की ओर से गठित विभिन्न प्रशासनिक समितियों के निर्णयों या मिनट्स को भी फुल कोर्ट के साथ साझा नहीं किया जाता। इससे ऐसा प्रतीत होता है जैसे ये समितियां हाईकोर्ट के मुख्य प्रशासनिक निकाय से अलग और स्वतंत्र होकर काम कर रही हों। पीठ ने यह भी कहा कि फुल कोर्ट बैठकों में किसी मुद्दे पर व्यक्तिगत न्यायाधीशों की असहमति या मत को दर्ज न करना भी पारदर्शी विचार—विमर्श की भावना के खिलाफ है। इन सभी प्रशासनिक विसंगतियों को रेखांकित करते हुए न्यायमूर्ति ने अपने फैसले के जरिये मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया है कि वे नियमों के तहत नियमित रूप से फुल कोर्ट की बैठकें आयोजित करने पर विचार करें ताकि न्यायाधीशों के बीच संस्थागत संवाद बहाल हो सके और न्याय प्रणाली में जरूरी प्रशासनिक सुधार लागू किए जा सकें।

काली घाटी तूफानी ने जीता मलाक बलऊ दंगल का खिताब

प्रयागराज। मलाक बलऊ में आयोजित कुश्ती दंगल में काली घाटी के पहलवान तूफानी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने दिल्ली के शिवा पहलवान को पराजित कर विजेता बनने का गौरव हासिल किया।



विजेता पहलवान को आयोजन समिति ने 51 सौ रुपये नकद और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया। करीब 15 जोड़ी पहलवानों के बीच हुए मुकाबलों में दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं। महिला पहलवानों की कुश्ती विशेष आकर्षण का केंद्र रही। महिला पहलवानों ने भी बेहतरीन दांव-पेच दिखाया। जिसमें झांसी की आरू पर कानपुर की कविता का दांव भारी पड़ा कार्यक्रम में विधायक गुरु प्रसाद मौर्य, ग्राम प्रधान संदीप पटेल, भाजपा नेता जगदीश पटेल, अपना दल (एस) क्षेत्रीय मीडिया सचिव राजेन्द्र सिंह पटेल आदि मौजूद रहे। दंगल का संचालन धर्म नारायण मिश्र और योगेश मिश्र ने किया। मुकाबलों में रेफरी की भूमिका राम दुलारे यादव रहे। रमेश मिश्र, प्रेम मिश्र, पंकज पटेल व अनिल ओझा ने सहयोग किया।

ट्राली खड़ी करने के विवाद में महिला समेत दो युवकों से मारपीट

प्रयागराज। घूरपुर क्षेत्र के चकसंगतदास गांव में जमीन पर ट्रैक्टर की ट्रॉली खड़ी करने के विवाद में महिला समेत दो युवकों के साथ लाठी—डंडों से मारपीट करने का आरोप लगाया गया है। मामले में सुनीता देवी पत्नी तेज बहादुर की तहरीर पर पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता ने दी तहरीर में बताया कि 29 सितंबर को सुनीता देवी के बेटे अजय ने अपनी जमीन पर ट्रैक्टर की ट्रॉली खड़ी की थी। आरोप है कि इसी बात पर लालची देवी, छत्रधारी, अमर बहादुर, राधा देवी, मीना देवी, मीनू और ज्योति ने गालीगलोज़ शुरू कर दी। विरोध करने पर अजय और राजवी के साथ लाठी—डंडों से मारपीट करने का आरोप है। सुनीता देवी ने शिकायत में आरोप लगाया कि बीचबचाव के दौरान उनके सिर और चेहरे पर चोटें आईं। वहीं, दोनों युवकों के शरीर में भी अंदरूनी चोटें लगने की बात कही गई है। आरोप है कि मारपीट के बाद नामजद लोग जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए। शिकायत के आधार पर घूरपुर पुलिस ने सातों नामजद आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी अतुल कुमार मिश्रा ने बताया प्रार्थना पत्र के अनुसार प्राथमिकी दर्ज कर जांच—पड़ताल के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

करछना में मोबाइल लूट का खुलासा, तीन गिरफ्तार

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के पनवरिया गांव में साइकिल सवार से मोबाइल छीनकर भागे बदमाशों को पुलिस ने कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। बृजराज पटेल बृहस्पतिवार को काम से जा रहे थे। तभी बाइक सवार बदमाश मोबाइल छीनकर भाग गए। सूचना पर थाना प्रभारी रणविजय सिंह के नेतृत्व में कस्बा चौकी प्रभारी सुभाष सिंह और सीसीटीवी टीम प्रभारी निखिल कुमार की टीम ने घेराबंदी कर तलाश शुरू की। पुलिस ने छीना गया मोबाइल और घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद कर ली है। मामले में अनुप कुमार कुशवाहा, निखिल कुमार कुशवाहा और एक बाल अपचारी को पकड़ा गया है। पुलिस ने विधिक कार्रवाई के बाद आरोपियों को जेल भेज दिया।

बंद मकान का ताला तोड़ चोरी

प्रयागराज। कस्बा के वार्ड नंबर सात दुर्गीगंज में बीती रात चोरों ने एक बंद मकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पार कर दी। पीड़ित दिलीप कुमार मौर्य अपनी ससुराल में एक रिश्तेदार के त्रियोदशाह संस्कार में शामिल होने गए थे। रात करीब 12 बजे चोर ताला तोड़कर अंदर घुस गए। चोरों ने कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़ पत्नी के जेवरात समेत 30 हजार रुपये चोरी कर लिए। शनिवार सुबह करीब 6:३0 बजे जब पीड़ित दंपती वापस लौटे तो सामान बिखरा पड़ा था। पीड़ित ने तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका—मुआयना किया है।



संक्षिप्त

साइबर ठगों पर खाकी का 'डिजिटल वज्रपात'

लखनऊ (संवाददाता)। साइबर ठगी के खिलाफ उत्तर प्रदेश में पुलिस की कार्रवाई को तकनीक के जरिए मजबूत किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में साइबर अपराध की रोकथाम के साथ ही ठगी के बाद धनराशि को रोकने और वापस कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। सितंबर में साइबर फ्रॉड की रकम फ्रीज कराने की प्रदेश की दर 34 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 31 प्रतिशत से अधिक है। साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर के माध्यम से रियल टाइम रूटिंग के जरिये डाइवर्ट की गई रकम को फ्रीज और रिकवर कराने की कार्रवाई की जा रही है। कई मामलों में तय समय सीमा के भीतर 100 प्रतिशत तक रिकवरी दर्ज की गई है। प्रदेश में साइबर अपराध से बचाव के लिए 84 हजार साइबर अवेयरनेस ड्राइव चलाए गए हैं। अभियानों के माध्यम से लोगों को फिशिंग, फर्जी वेबसाइट, डेटा चोरी, फर्जी अप्रूवल और साइबर ठगों के दूसरे तरीकों के प्रति जागरूक किया गया। सिनेमा हॉल से लेकर रेलवे स्टेशन तक विभिन्न स्थानों पर लोगों को डिजिटल लेनदेन में सावधानी बरतने और किसी भी डिजिटल प्लेटफॉर्म की प्रामाणिकता जांचने की जानकारी दी गई। साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर साइबर ठगी की रकम रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिकायत मिलते ही संबंधित बैंक के माध्यम से रकम को रोकने की कार्रवाई शुरू की जाती है। रियल टाइम रूटिंग और डेटा शेयरिंग के जरिये डाइवर्ट किए गए फंड को फ्रीज कराने और उसे वापस कराने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाती है। इससे ठगी के बाद रकम को तेजी से दूसरे खातों में जाने की चुनौती से निपटने में मदद मिलती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर डीजी साइबर क्राइम विनोद कुमार सिंह ने प्रदेश के पुलिस कर्मियों को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया है। जवानों को साइबर अपराध से मुकाबले के लिए नई तकनीकी ट्रेनिंग भी दी जा रही है। एसपी साइबर क्राइम राजेश यादव ने बताया कि साइबर फ्रॉड में समय सबसे महत्वपूर्ण है। पहले एक घंटे के भीतर शिकायत करने पर रकम को होल्ड या फ्रीज कराने की संभावना काफी बढ़ जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में साइबर अपराध से निपटने के लिए प्रदेश में मजबूत व्यवस्था की गई है। हर थाने में साइबर हेल्प डेस्क है। वहीं लखनऊ में 1930 कोल सेंटर और साइबर फ्रॉड मिटिगेशन सेंटर संचालित किया जा रहा है। शिकायत मिलते ही संबंधित बैंक के माध्यम से रकम रोकने की कार्रवाई की जाती है।

इमरजेसी हेल्थकेयर में तकनीक से बदलेगी तस्वीर

लखनऊ (संवाददाता)। गंभीर बीमारी, दुर्घटना या किसी अन्य मेडिकल इमरजेंसी में शुरूआती पहला घंटा मरीज की जिंदगी के लिए बेहद अहम होते हैं। ऐसे समय में सिर्फ इलाज ही नहीं, बल्कि घटना की जानकारी, एंबुलेंस की उपलब्धता, अस्पताल तक सूचना पहुंचने और मरीज के लिए जरूरी मेडिकल तैयारियां समय पर होना महत्वपूर्ण है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए लखनऊ का हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी स्टार्टअप हिंदकेयर मेडटेक इमरजेंसी हेल्थकेयर को तकनीक से जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है। स्टार्टअप की कोशिश ऐसी तकनीक विकसित करने की है, जिससे इमरजेंसी स्थिति में मरीज, रिस्पॉन्स टीम, एंबुलेंस और अस्पताल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। यूपी स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि योगी सरकार की ओर से प्रदेश में स्टार्टअप और इनोवेशन के लिए संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति-2026 के तहत प्रदेश को देश के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। नीति में यू-हब जैसे डीप-टेक इनक्यूबेशन सेंटर, 20 नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, जिला स्तर पर इनक्यूबेशन के विस्तार और स्टार्टअप के लिए वित्तीय सहायता का प्राधान्य किया गया है। इसी के तहत मेडिकल क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप हिंदकेयर मेडटेक को लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई के एसटीपीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इनक्यूबेट किया गया है। मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि स्टार्टअप की प्रमुख पहल लाइफडेश स्मार्ट क्रैश-डिटैक्शन और इमरजेंसी अलर्ट प्लेटफॉर्म है। यह तकनीक संभावित सड़क दुर्घटना की पहचान करने और रियल टाइम मॉनिटरिंग के साथ इमरजेंसी नोटिफिकेशन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार की गई है। इसके जरिए घटना स्थल से इमरजेंसी रिस्पॉन्डर, एंबुलेंस सेवा और अस्पताल तक सूचना के प्रवाह को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है। स्टार्टअप के संस्थापक ने हाल ही में गोरखपुर में आयोजित एक स्टार्टअप टेक्नोलॉजी कार्यक्रम में अपनी तकनीक और विजन को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने प्रस्तुत किया। स्टार्टअप की टीम ने इमरजेंसी हेल्थकेयर में तकनीक के इस्तेमाल और मरीज, एंबुलेंस तथा अस्पताल के बीच बेहतर कनेक्टिविटी की अपनी परिकल्पना साझा की।

डॉक्टर बनने से पुलिस सेवा तक के

सपनों को छात्रवृत्ति से मिला संबल

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में पूर्वदशम कक्षा 9-10 और दशमोत्तर कक्षाओं की 4.60 लाख से अधिक छात्राओं के खातों में 148 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की की राशि हस्तांतरित की। छात्रवृत्ति पाने वाले छात्र-छात्राओं ने सीएम की सराहना करते हुए कहा कि आर्थिक सहायता से पढ़ाई जारी रखने में परिवार को राहत मिलेगी। छात्रवृत्ति केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि उनके भविष्य के सपनों को आगे बढ़ाने का सहारा है। गोसाईंगंज के सत्यम ने कहा कि छात्रवृत्ति मिलने से पढ़ाई के खर्च में परिवार को राहत मिलेगी। वह राशि का इस्तेमाल किताबों और जरूरी शैक्षणिक सामग्री खरीदने में करेंगे। सुरियामऊ के विवेक कनौजिया ने कहा कि छात्रवृत्ति से फीस और किताबों का खर्च पूरा करने में मदद मिलेगी। रकीबखेड़ा के अमन कुमार ने कहा कि वह नई किताबें खरीदकर अपनी पढ़ाई को बेहतर तरीके से आगे बढ़ाएंगे। गोसाईंगंज के मयंक रावत ने भी कहा कि छात्रवृत्ति से शिक्षा से जुड़ी जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी। सीएम योगी के हाथों स्वीकृति पत्र मिलना गौरव की बात है। इटौंजा की साक्षी ने कहा कि छात्रवृत्ति मिलने से आगे पढ़ाई करने का हौसला बढ़ा है। इससे पढ़ाई से जुड़ी जरूरतें पूरी करने में मदद मिलेगी। डॉक्टर बनने का सपना संजोए सत्येंद्र रावत ने कहा कि आर्थिक सहायता मिलने से परिवार को पढ़ाई का खर्च संभालने में सहाय्यत होगी। इटौंजा की आकांक्षा गौतम ने कहा कि छात्रवृत्ति से किताबों और अन्य शैक्षणिक सामग्री खरीदने में मदद मिलेगी। इससे परिवार पर पढ़ाई का आर्थिक दबाव कम होगा।

कला शिक्षकों की सृजनात्मक प्रतिभा का संगम बनी कला आचार्य प्रदर्शनी-2026

तीन दिवसीय प्रदर्शनी में 56 कलाकृतियों का प्रदर्शन, कला आचार्यों को अंगवस्त्र एवं सम्मान-पत्र से किया गया सम्मानित

प्रयागराज। कला आचार्य
प्रदर्शनी 2026
लखनऊ / प्रयागराज क्षेत्र का
तीन दिवसीय आयोजन राज्य
ललित कला अकादमी परिसर
स्थित लाल बारादरी भवन में
सफलतापूर्वक संपन्न
हुआ। प्रदर्शनी का
आयोजन कला निकेतन
सांसाइटी, उ.प्र.एवं
ऑस्ट्रेलिया इंस्टीट्यूट ऑफ
फाइन आर्ट्स की संयुक्त
तत्वावधान में किया गया।
प्रदर्शनी का शुभारंभ उ.प्र.
विधान परिषद की संसदीय
एवं सामाजिक सदभाव
समिति के मा.सभापति
अनूप कुमार गुप्ता ने
किया। इस अवसर पर
भातखंडे संस्कृति
विश्वविद्यालय, लखनऊ
की पूर्व कुलपति प्रो. पूर्णिमा
पाण्डेय विशिष्ट अतिथि तथा
राज्य ललित कला अकादमी
उ.प्र. के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र
मिश्रा कार्यक्रम अध्यक्ष ने दीप
प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का
शुभारंभ किया। मा.अनूप कुमार
गुप्ता ने कहा कि कला अध्यापक
समाज के मार्गदर्शक होते हैं
आमंत्रित वरिष्ठ आचार्य
कलाकारों में प्रो.उमेश सक्सेना,
राजेंद्र सक्सेना, प्रो.सुनील

सक्सेना, मोहम्मद शकील,
अकादमी सदस्य
कवि-कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा
एवं किरण सिंह राठौड़ की
गरिमामयी उपस्थिति रही।
प्रदर्शनी के मशहूर कलाकारों

कु.सोनी, सचिन, विनोद कु.
विश्वकर्मा, निर्मला सीमा, डॉ.
रीना गौतम, त्रिभुवन कुमार,
संध्या यादव, लक्ष्मी नारायण,
विनोद कु. सिंह, डॉ. पुनमश्री
जायसवाल, उमरनाथ गौड़,

प्रकाश गुप्ता सहित 56 शिक्षकों की कलाकृतियां प्रदर्शित हुईं जिनको हजारों दर्शकों को ने सराहा ।

प्रदर्शना के समापन समारोह
के मुख्य अतिथि वाश शैली के

मे. प्रो.सुनील सक्सेना, रवीन्द्र कुशवाहा, अनीता वर्मा, शिखा पाण्डेय, कृष्णा शर्मा, प्रवीण कुमार यादव, डॉ.जाहेदा खानम, तलत महमूद, डॉ.अंगद वर्मा, हेरिमोहन सिंह, सचिन केसरवानी, ताहिर महमूद, मनोज गोहद, सुनील कृष्णायपति, सुनीता शर्मा, डॉ. खुशबू मेहरा, अलख कुमार, सुमित कुमार, आशुतोष

विभावरी सिंह, विकास
विश्वकर्मा, डॉ. सुनीता शर्मा
अमित कुमार, डॉ. महती वशिष्ठ,
शिखा नाथ, राजेश कुमार, अनिल
के साथ, राखी सैनी, राजीव
कुमार रावत, तुलिका कश्यप,
आलोक सिंह, डॉ.कुसुमलता
गुप्ता, शीतकान्त पाण्डेय, अतुल
हिंदू, डॉ.कावेरी विज, पल्लवी
सिंह, ज्योति प्रजापति, बृजेश
कु.शर्मा, पवन कु.मौर्य एवं जय

मशहूर कलाकार डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अकादमी निदेशक विजय कुमार श्रीवास्तव की गरिमायुी उपस्थिति रही। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि कला शिक्षक के अनुभव और कलात्मक दृष्टि का प्रभाव विद्यार्थियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचता है। मा.विजय कुमार श्रीवास्तव ने कहा, ऐसे आयोजन युवा पीढ़ी को कला के प्रति प्रेरित करते हैं। समारोह में

प्रदर्शनी में सहभागी सभी कला
आचार्यों को अंगवस्त्र एवं
सम्मान-पत्र भेंट कर सम्मानित
किया गया। प्रदर्शनी संयोजक
एवं राज्य ललित कला
अकादमी उ.प्र. के सदस्य
अभिभवदीप ने प्रदर्शनी की
सफलता के लिए सभी अतिथियों,
कलाकारों, कला शिक्षकों, कला
प्रेमियों तथा सहयोगी संस्थाओं
का आभार व्यक्त किया।

लखनऊ-हरदोई और मुरादाबाद समेत कई जिलों को बदले एडीएम-एसडीएम

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक चुनत-दुरुस्त और गतिशील बनाने के उद्देश्य से प्रांतीय सिविल सेवा संवर्ग के 23 वरिष्ठ अधिकारियों का व्यापक स्थानांतरण कर दिया है। इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल के तहत कई महत्वपूर्ण जनपदों के अपर जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी, नगर निगमों के अपर नगर आयुक्त और विकास प्राधिकरणों के सचिवों की जिम्मेदारी में फेरबदल किया गया है। शासन द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, सभी स्थानांतरित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपने नए तैनाती स्थलों पर जाकर कार्यभार ग्रहण करने और शासन को इसकी रिपोर्ट भेजने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। शासन द्वारा जारी सूची के अनुसार प्रशासनिक फेरबदल की शुरुआत करते हुए अपर जिलाधिकारी न्यायिक संतकबीरनगर के पद पर तैनात चंद्रेश कुमार को अब मुख्य राजस्व अधिकारी देवरिया बनाया गया है, जबकि उपजिलाधिकारी ललितपुर ज्ञानेन्द्र विक्रम को पदोन्नत

करते हुए अपर जिलाधिकारी न्यायिक संतकबीरनगर की जिम्मेदारी दी गई है। इसी क्रम में मेरठ नगर निगम की अपर नगर आयुक्त लवी त्रिपाठी को अब अपर जिलाधिकारी प्रशासन सहायनपुर के पद पर भेजा गया है और उनके स्थान पर उपजिलाधिकारी सिद्धार्थनगर राजेश कुमार को मेरठ नगर निगम का नया अपर नगर आयुक्त नियुक्त किया गया है। उपजिलाधिकारी अम्बेडकरनगर पुष्पेन्द्र पटेल अब अपर जिलाधिकारी प्रशासन रामपुर की कमान संभालेंगे। काफी समय से प्रतीक्षात चले रहे अपितु गुता को बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का कुलसचिव बननाया गया है, जबकि उपजिलाधिकारी बिजनौर विजय शंकर को महात्मा बुद्ध कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुशीनगर के कुलसचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। उपजिलाधिकारी अमेठी अभिनव कन्नौजिया को दुध आयुक्त कार्यालय में संयुक्त दुध आयुक्त बननाया गया है। मेरठ के अपर जिलाधिकारी नगर ब्रजेश कुमार सिंह को अब मेरठ विकास प्राधिकरण का नया सचिव नियुक्त

किया गया है, जबकि राजस्व परिषद लखनऊ से संबद्ध शिवानी सिंह को अपर जिलाधिकारी नमासि गंगे एवं ग्रामीण जिलापूर्ति जालौन के पद पर भेजा गया है। जालौन में तैनात रहे प्रेम चन्द्र मौर्य को अब अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रतापगढ़ बनाया गया है और उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडली परिषद को उपनिदेशक रामजी मिश्रा को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व लखनऊ के महत्वपूर्ण पद पर तैनात किया गया है। प्रशासनिक सर्जरी के दूसरे हिस्से में उपजिलाधिकारी गाजियाबाद राजेंद्र कुमार को अब अपर जिलाधिकारी न्यायिक हरदोई के पद पर भेजा गया है, वहीं हरदोई में तैनात रहे प्रफुल्ल कुमार त्रिपाठी को अपर जिलाधिकारी प्रशासन मुरादाबाद की नई जिम्मेदारी दी गई है। दिव्यांगजन सशक्तिकरण निदेशालय लखनऊ के संयुक्त निदेशक बृजेश कुमार त्रिपाठी की को अब अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व लखीमपुर खीरी बनाया गया है, जबकि मुजफ्फरनगर के अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अनिरुद्ध

प्रताप सिंह को हटाकर उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद में उपनिदेशक पद पर भेजा गया है। अलीगढ़ की अपर जिलाधिकारी नगर किंशुक श्रीवास्तव को फिलहाल हटाकर प्रतीक्षारत सूची में डाल दिया गया है और मुरादाबाद के अपर जिलाधिकारी प्रशासन के पद पर रहें संगीता देवी को अब अपर जिलाधिकारी नगर अलीगढ़ की नई कमान सौंपी गई है। आजमगढ़ के अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गंभीर सिंह को अब इसी पद पर मुजफ्फरनगर भेजा गया है, जबकि मंडी परिषद के उपनिदेशक नरेंद्र सिंह को अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व आजमगढ़ नियुक्त किया गया है। प्रतापगढ़ के अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व आदित्य कुमार प्रजापति को अब अपर जिलाधिकारी नगर मेरठ बनाया गया है, वहीं वाराणसी के अपर नगर आयुक्त अमित कुमार को उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद में उपनिदेशक पद पर भेजा गया है और हरदोई के उपजिलाधिकारी मयंक कुंडू को स्थानांतरित करते हुए उपजिलाधिकारी मुरादाबाद के पद पर नई तैनाती दी गई है।

नौकरी की मांग को लेकर एम्बुलेस ड्राइवरों ने डिप्टी सीएम का आवास घेरा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में शनिवार को नौकरी की मांग को लेकर एम्बुलेंस ड्राइवरों ने डिटी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। प्रदेश के अलग-अलग जिलों से आए ड्राइवरों ने जमकर नाशवाजी की। उन्होंने कोरोना काल में मिले मंडल और सर्टिफिकेट भी उपमुख्यमंत्री को वापस करने की बात कही। एम्बुलेंस ड्राइवरों का कहना है कि डिटी सीएम नौकरी देने का आश्वासन देते हैं, लेकिन अब उनसे मिलने पहुंचने पर पुलिस उन्हें खदेड़ रही है। ड्राइवरों के मुताबिक, पिछले पांच साल में वे 50 से अधिक बार ब्रजेश पाठक से मिल चुके हैं, लेकिन हर बार आश्वासन ही मिला। ड्राइवरों ने बताया कि शुक्रवार को गांधी प्रतिमा पर प्रदर्शन के दौरान प्रशासन ने शनिवार को डिटी सीएम से मुलाकात कराने का वादा किया था। इसी वादे के तहत वे शनिवार को मिलने पहुंचे, लेकिन उनका आरोप है कि पुलिस ने उनके साथ अभद्रता की और हिरासत में लेने लगी। प्रदर्शन

कर रहे सलील अवस्थी का कहना है कि 2021 से हम लोग नौकरी के लिए दर-दर की ठोकर खा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के 75 जनपदों से 9000 कर्मचारी रोजगार के लिए सैकड़ों कीलामीत का सफर तय करके लखनऊ पहुंचते हैं। डिप्टी सीएम वादा करते हैं कि नौकरी मिलेगी। अब जब उनके दरवाजे पर पहुंचे तो पुलिस भगा रही। शरद ने बताया कि 9000 कर्मचारियों के सामने 5 साल से रोजी रोटी का संकट है। साल 2012 में नियुक्ति हुई। 2012 से लेकर 2021 तक 108 और 102 एम्बुलेंस में सेवा दिया। 2021 में 9000 कर्मचारियों को बिना कारण बताए जीवकेईआरआई निजी कंपनी है, जिसके माध्यम से भर्ती हुई थी। निकाल दिया। 5 साल से भटक रहे हैं हमें हर हाल में नौकरी चाहिए हम कोरोना योद्धा हैं। जब कोई किसी को नहीं पूछता था तब हम लोगों की जान बचा रहे थे। कोरोना काल में हीरो थे अब जीरो हो गए।

यूपी में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल, कई आईएएस अधिकारियों का तबादला

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश शासन ने प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और परिणाममुखी बनाने के उद्देश्य से प्रांतीय सिविल सेवा संगम और शीर्ष राज्य सेवाओं के कई वरिष्ठ अधिकारियों का एक और व्यापक स्थानांतरण आदेश जारी कर दिया है। इस नई और महत्वपूर्ण सूची

के तहत विभिन्न प्रतिष्ठित राज्य निगमों के प्रबंध निदेशक, सचिवों, जिलों के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) और दो प्रमुख विश्वविद्यालयों के कुलसचिवों के कार्यभार में फेरबदल किया गया है। पदानुक्रम और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए इस फेरबदल के सभी टेक्स्ट

रनिंग पैराग्राफ में बिना किसी अलग विजुअल लेआउट के नीचे दो मुख्य विषयों के तहत दिए गए हैं, आवास विकास, पीसीएफ और चिकित्सा शिक्षा से लेकर जौनपुर-मुक्त के तबादले किये गये। शासन द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व लखनऊ के पद

पर तैनात रहे राकेश कुमार सिंह को अब उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद में अपर आयुक्त के महत्वपूर्ण पद पर स्थानांतरित किया गया है। आवास विकास परिषद में ही अपर आयुक्त के रूप में कार्यरत रहे नीरज शुक्ला को अब प्रबंध निदेशक पीसीएफ की नई जिम्मेदारी सौंपी गई है।

करें लोकहित काम

छोटी सी यह बात है, अर्थ बहुत गंभीर।
संयम खोया शब्द ने, घायल हुआ शरीर।
घायल हुआ शरीर किताबी बात न समझो।
आपस की तकलीफ, बैठकर साझा कर लो।
सुन लो काहे प्रदीप, न लेना उनकी चुटकी।
समझ न पाते बात, रहीं जो छोटी-छोटी।।

अंतस में जिनके सदा, रहते हैं श्रीराम ।
खामोशी से वह सदा, करें लोकहित काम ।
करें लोकहित काम, न सेवा उनकी रुकती ।
नदियों—सा दिन—रात, हमेशा चलती रहती ।
सुन लो काहे प्रदीप, यही हैं सच्चे मानव ।
निर्मलता का पाठ, पढ़ाता है इनका अंतस ॥

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

2027 चुनाव को लेकर आजाद समाज

पाटी (कांसीराम) ने कसी कमर

बूथ स्तर पर सगठन मजबूत करने और गांव-गांव जनसंपर्क पर जोर देवर्धन। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) ने 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। पार्टी कार्यालय पर नरसभा प्रभारी एवं प्रत्याशी दीपक चौधरी ने पदाधिकारियों



और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति पर चर्चा की। बैठक में बूथ स्तर तक संगठन विस्तार, गांव-गांव जनसंपर्क अभियान और दलित, पिछड़े व अल्पसंख्यक समाज से जुड़े मुद्दों को उठाने पर जोर दिया गया। दीदीक चौधरी ने कहा कि जल्द क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान शुरू किया जाएगा। इस दौरान जिला प्रभारी ओमप्रकाश निमेश, लीलेला कुमार, विधानसभा अध्यक्ष तोवेंद्र कुमार, कोषाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार, मीडिया प्रभारी हाकिम सिंह, सेक्टर अध्यक्ष दिनेश कुमार और बने सिंह सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इमरजेसी हेल्थकेयर में तकनीक से बदलेगी तस्वीर

लखनऊ (संवाददाता)। गंभीर बीमारी, दुर्घटना या किसी अन्य मेडिकल इमरजेंसी में शुरुआती पहला घंटा मरीज की जिंदगी के लिए बेहद अहम होते हैं। ऐसे समय में सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि घटना की जानकारी, एंबुलेंस की उपलब्धता और अस्पताल तक सूचना पहुंचने और मरीज के लिए जरूरी मेडिकल तैयारियां समय पर होना महत्वपूर्ण है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए लखनऊ का हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी स्टार्टअप हिंदिकेयर मेडटेक इमरजेंसी हेल्थकेयर को तकनीक से जोड़ने की दिशा में काम कर रहा है। स्टार्टअप की कोशिश ऐसी तकनीक विकसित करने की है, जिससे इमरजेंसी की स्थिति में मरीज, रिसपॉन्स टीम एंबुलेंस और अस्पताल के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। यूपी स्टार्टअप मिशन के सीईओ सुमित महाजन ने बताया कि योगी सरकार की ओर से प्रदेश में स्टार्टअप और इनोवेशन के लिए संस्थागत व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश स्टार्टअप नीति—2026 के तहत प्रदेश को देश के अग्रणी स्टार्टअप इकोसिस्टम में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। नीति में यू-हब जैसे डीप-टेक इनक्यूबेशन सेंटर, 20 नए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, जिला स्तर पर इनक्यूबेशन के विस्तार और स्टार्टअप के लिए वित्तीय सहायता का प्रावधान किया गया है। इसी के तहत मेडिकल क्षेत्र में काम कर रहे स्टार्टअप हिंदिकेयर मेडटेक को लखनऊ स्थित एसजीपीजीआई के एसटीपीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में इनक्यूबेट किया गया है।

[illegible]



निर्देशक तिग्मांशु धूलिया ने हाल ही में साउथ फिल्मों में दिखाए जा रहे हीरोज के लुक और हिंसा पर अपनी राय रखी। उन्होंने फिल्म 'झळ' के हीरो यश के लुक पर तंज कसा। तिग्मांशु ने कहा कि आजकल फिल्मों में हीरो लंबे बाल और बड़ी दाढ़ी में नजर आते हैं, जो उन्हें राक्षस जैसे लगते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस तरह के किरदार पहले रामायण और महाभारत में राक्षसों के होते थे, वे आज फिल्मों में हीरो बनकर युवाओं को पसंद आ रहे हैं। तिग्मांशु धूलिया ने यह बात कोशाला साहित्य महोत्सव में बातचीत के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आजकल फिल्मों में बहुत ज्यादा गुस्से वाले और हिंसक किरदार दिखाए जा रहे हैं। उनके मुताबिक, 'बाहुबली' के बाद 'कातारा' जैसी फिल्मों में मार-काट और खून-खराबा काफी बढ़ गया है। तिग्मांशु ने कहा कि उन्हें इस तरह का सिनेमा बिल्कुल पसंद नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि दर्शक ऐसी फिल्मों को पसंद कर रहे हैं। उनके मुताबिक, इसकी एक वजह समाज में लोगों के अंदर मौजूद गुस्सा हो सकता है। उन्होंने कहा कि शायद लोगों को अपना गुस्सा निकालने का कोई जरिया नहीं मिल रहा, इसलिए वे फिल्मों के इन किरदारों में खुद को देखते हैं और उन्हें देखकर मजा लेते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि इन फिल्मों का लोगों पर इतना असर क्यों है? तिग्मांशु ने यह भी कहा कि लगातार ऐसी फिल्में बन रही हैं और दर्शक उन्हें पसंद कर रहे हैं। तिग्मांशु धूलिया ने 'धुरंधर' की कहानी पर सवाल उठाए हाल ही में तिग्मांशु धूलिया ने मौजूदा हिंदी सिनेमा में कहानी कहने के तरीके पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि कॉरपोरेट कच्कर और एक जैसे फिल्मी टेम्पलेट के कारण फिल्मों में मौलिक कहानियां कम होती जा रही हैं। धूलिया ने यह टिप्पणी हाल ही में एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया (रम्भे) की ओर से आयोजित राजेंद्र माथुर मेमोरियल लेक्चर के दौरान की थी।

आम्रपाली

ट्रॉफी लेकर देश घूमने की चाहत

रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' में भोजपुरी सिनेमा की चर्चित अभिनेत्री आम्रपाली दुबे ने भी एंट्री ले ली है। शो में जाने से पहले आम्रपाली ने खास बातचीत की। बातचीत के दौरान आम्रपाली ने अपने गेम, पसंदीदा कंटेस्टेंट, सलमान खान से मिलने का उत्साह और भोजपुरी सिनेमा से जुड़ी रुढ़िवादी सोच पर खुलकर बात की। पढ़िए बातचीत के प्रमुख अंशरू 'मेरा लक्ष्य सिर्फ ट्रॉफी जीतना' 'बिग बॉस' के घर में जाने से पहले आम्रपाली ने कोई रणनीति नहीं बनाई है। वह कहती हैं, 'मैंने अपनी जिंदगी में आज तक कभी कोई प्लानिंग नहीं की। मैं बैठकर गुणा-गणित लगाने वाले लोगों में से नहीं हूं। जैसी परिस्थितियां आती हैं, मैं उसी वक्त उनका सामना करती हूं। हां, मेरा एक ही गोल है कि मुझे ट्रॉफी जीतनी है पर इसके लिए मैं कोई जाल नहीं बुनूंगी।' 'सिद्धार्थ शुक्ला मेरे पसंदीदा खिलाड़ी' घर में रिश्ते बनाना और लोगों को समझाना इस खेल का अहम हिस्सा है। आम्रपाली कहती हैं, 'मैंने ऐसा कुछ तय नहीं किया है कि किससे दोस्ती करनी है और किससे नहीं। बचपन से ही मुझे सीधे-साधे लोगों के साथ बैठना, हंसना-बोलना और अच्छी बातें करना पसंद है। अगर बिग बॉस की हिस्ट्री देखें, तो जिस सीजन में सिद्धार्थ शुक्ला विनर बने थे, वो मेरा फेवरेट सीजन रहा है। पूरी हिस्ट्री में सिद्धार्थ मेरे सबसे पसंदीदा खिलाड़ी हैं। वो सीजन ही बहुत शानदार था।' 'मौका मिला तो खेसारी को वापस लेकर आऊंगी' इस सीजन की थीम 'जीवनदान' है। ऐसे में जब पूछा गया कि अगर मौका मिले तो किस पुराने कंटेस्टेंट को शो में वापस लेकर आएंगी? तो आम्रपाली ने बिना देर किए खेसारी लाल यादव का नाम लिया। उन्होंने कहा, 'खेसारी जी

13वें सीजन में थे, लेकिन बहुत जल्दी बेघर हो गए थे। वह शो में अपनी बात खुलकर रख ही नहीं पाए थे।' 'मेरे लिए तो सलमान ही बिग बॉस हैं' आम्रपाली के लिए शो का सबसे खास हिस्सा सलमान खान के साथ आमना-सामना करना है। सलमान की मौजूदगी में वह कैसा महसूस करेंगी पूछा जाने पर वह बोलीं, 'देखिए, घबराहट पर आपका कंट्रोल नहीं होता। वो मोमेंट मेरे लिए मैजिकल होने वाला है। वहीं अगर सलमान सर कहते हैं कि मेरा गेम गलत जा रहा है, तो मैं उनकी बात 110: मानूंगी। मेरे लिए बिग बॉस करने का ये एक मौका है, पर सलमान खान ही बिग बॉस हैं। वो सब जानते हैं।' 'छह साल से मिल रहा शो का ऑफर' आम्रपाली बताती हैं, 'मेरे इस शो को हां कहने की सबसे बड़ी वजह सलमान खान ही हैं। सच कहूं तो मुझे सीजन 14 से हर साल बिग बॉस ऑफर हो रहा था, पर मैं तैयार नहीं थी। इस बार लगा कि मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहिए।' 'भोजपुरी के सम्मान से समझौता नहीं करूंगी' भोजपुरी सिनेमा को लेकर बने स्टीरियोटाइप्स पर आम्रपाली का रुख काफी स्पष्ट है। आम्रपाली कहती हैं, 'हमारी इंडस्ट्री से कुछ भ्रातियां और स्टीरियोटाइप्स जुड़े हुए हैं। अगर घर में कोई मुझसे जायज सवाल पूछेगा, तो तमीज से जवाब मिलेगा। लेकिन जहां बात मेरे कैरेक्टर पर आरोप लगाने या नीचता पर उतरने की आएगी, तो वो बर्दाश्त नहीं होगा। भोजपुरी मेरी मातृभाषा है। अगर कोई मर्यादा लांघेगा, तो मैं डटकर खड़ी रहूंगी और मुंहतोड़ जवाब दूंगी। भोजपुरी के सम्मान से समझौता नहीं।' 'ऐसा बैकस्टेब करूंगी कि संभल नहीं पाएंगे' आम्रपाली का कहना है कि जरूरत पड़ने पर वह अपने करीबी को भी नॉमिनेट कर सकती हैं। पर अगर कोई करीबी बनकर उनके खिलाफ खेलता है, तो वह चुप नहीं बैठेंगी। वह कहती हैं, 'गेम के लिए जरूरी हुआ, तो मुझे अपने किसी करीबी को भी नॉमिनेट करना पड़ेगा। मेरे पास और कोई ऑप्शन नहीं होगा। लेकिन अगर कोई मेरा करीबी बनकर मेरे ही खिलाफ खेलने लगा, तो पहले मैं उसके मुंह पर जाकर सीधी बात करूंगी। मैं उसकी बकवास वजह सुनूंगी। अगर वजह घटिया लगी, तो फिर मेरे पास उसे बैकस्टेब करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचेगा। अगर टास्क में बात शारीरिक हिंसा या गाली-गलौच तक पहुंची, तो मैं वहीं अपनी लाइन खींच दूंगी। मैं साफ बोल दूंगी कि बस अब बहुत हुआ। आखिर हम सब एक्टर्स हैं, कोई अपनी जान जोखिम में डालने नहीं आया है।' रशांत रहने की गलतफहमी न पालेंश आम्रपाली के मुताबिक उनके लिए कैमरों से ज्यादा मुश्किल अपने करीबियों से दूर रहना होगा। साथ ही उन्होंने अपने स्वभाव पर भी बात की। वह बोलीं, 'लोग सोचते हैं कि मैं हमेशा बहुत शांत रहती हूं, पर ऐसा नहीं है। मैं बहुत जल्दी अपना आपा खो देती हूं। जब मुझे गुस्सा आता है, तो मेरा शांत रूप गायब हो जाता है। घर में सबसे बड़ी चुनौती 24 घंटे कैमरों के सामने रहना नहीं, बल्कि अपने करीबियों से दूर रहना होगी।' 'चाहती हूं ट्रॉफी लेकर यूपी-बिहार में घूमूं' अंत में आम्रपाली ने कहा, 'मैं चाहती हूं कि लोग मुझे उस पहली भोजपुरी एक्ट्रेस के रूप में याद रखें, जो बिग बॉस की ट्रॉफी लेकर बाहर आई। मेरा सपना है कि मैं उस ट्रॉफी को अपने हाथों में लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड के एक-एक जिले में घूमूं और अपनी जीत का जश्न मनाऊं।' नई दिल्ली. दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' के साथ आम्रपाली दुबे की जोड़ी को दर्शकों ने खूब पसंद किया है. दोनों भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री ने नामी सितारे हैं. दोनों ने साथ में कई हिट फिल्में दी हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम्रपाली भोजपुरी फिल्मों में लंबा करियर बनाने के इरादे से नहीं आई थीं?आम्रपाली दुबे ने बिग बॉस 20 पर खुलासा किया कि वो फिल्म इंडस्ट्री में लंबा करियर बनाने के इरादे से नहीं आई थीं. एक्ट्रेस सिर्फ एक फिल्म में काम करना चाहती थीं. वह सिर्फ एक फिल्म करना चाहती थीं और इसके बाद इंडस्ट्री छोड़ने का प्लान था, लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर थाउनकी पहली ही भोजपुरी फिल्म की सफलता ने उनकी पूरी जिंदगी और करियर का रास्ता बदल दिया. भोजपुरी इंडस्ट्री में अपनी एंट्री का ये दिलचस्प किस्सा सुनाते हुए वो भावुक हो उठीं. उन्होंने बताया कि कैसे 'बिग बॉस' ने उनकी किस्मत बदलने में अहम भूमिका निभाई.



बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान अपनी फिल्मों के साथ-साथ अपने मजाकिया अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं. एक्टर सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहते हैं और समय-समय पर फैंस के सवालों का जवाब देते नजर आते हैं. हाल ही में शाहरुख ने सोशल मीडिया पर फैंस के साथ बातचीत की. इस दौरान उनसे उनकी जिंदगी और बच्चों को लेकर कुछ दिलचस्प सवाल पूछे गए. शाहरुख ने भी इन सवालों के बेहद प्यारे और मजेदार जवाब दिए. अगर अबराम बनें डायरेक्टर तो क्या करेंगे शाहरुख खान? रूजोड़ा सेशन में एक फैन ने शाहरुख से एक मजेदार सवाल किया. फैन ने पूछा कि अगर उनके छोटे बेटे अबराम एक दिन के लिए उनके डायरेक्टर बन जाएं, तो उनका पहला आदेश क्या होगा, जिसे उन्हें मानना पड़ेगा? शाहरुख ने इसका भी मजेदार जवाब दिया. उन्होंने लिखा, श्ले फोर्टनाइट!श यानी अगर अबराम एक दिन के लिए उनके डायरेक्टर

बनते हैं, तो शायद वो अपने पापा को फोर्टनाइट खेलने का आदेश देंगे. इससे साफ है कि अबराम का फेवरेट गेम फोर्टनाइट है. बच्चों को देखकर खिल उठता है शाहरुख खान का चेहरा इसी सेशन के दौरान एक फैन ने शाहरुख खान से पूछा कि ऐसी कौन-सी एक चीज है, जो दिन कितना भी मुश्किल क्यों न हो, उनके चेहरे पर मुस्कान ले आती है. इस सवाल के जवाब में शाहरुख ने अपने तीनों बच्चों का जिक्र किया. उन्होंने लिखा, श्मेरे बच्चे, मेरे तीनों बच्चे. वे बहुत प्यारे और मजाकिया हैं. शाहरुख के इस जवाब से साफ है कि उनके तीनों बच्चे आर्यन खान, सुहाना खान और अबराम खान उनके लिए बेहद खास हैं. कब हुई थी शाहरुख-गौरी की शादी? शाहरुख खान की शादी इंटीरियर डिजाइनर और फिल्म प्रोड्यूसर गौरी छिब्र (अब गौरी खान) से 25 अक्टूबर 1991 को हुई थी. दोनों की पहली मुलाकात 1984 में दिल्ली की एक पार्टी में हुई थी और करीब 5-6 साल डेट करने के बाद दोनों ने शादी का फैसला लिया।



जिस मुलाकात की उम्मीद नहीं थी, वो हो गई...
शाहिद की एक्स करीना और पत्नी मीरा
राजपूत को साथ देखकर हैरान हुए फैंस

कुछ ऐसा हुआ जिसकी उम्मीद नहीं थी ! बॉलीवुड सेलेब्स करीना कपूर खान और मीरा राजपूत कपूर हाल ही में एक-दूसरे से मिलीं और बेबो के शो व्हाट वुमन वॉंट के नए सीजन के लिए खुलकर बातचीत की। मंगलवार को करीना ने सेट से मीरा के साथ एक तस्वीर शेयर की और उनके मिलनसार और प्यारे स्वभाव की तारीफ की। करीना ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, आज शो में बेहद मिलनसार और प्यारी मीरा। मीरा ने उस स्टोरी को री-शेयर किया और शो में बुलाने के लिए करीना का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी फीड पर कुछ तस्वीरें भी पोस्ट कीं। जब करीना कपूर खान और मीरा राजपूत ने अपनी मुलाकात की तस्वीरें शेयर कीं, तो सोशल मीडिया यूजर्स दोनों को साथ देखकर सुखद रूप से हैरान रह गए। कई लोगों ने मजेदार कमेंट्स किए लेकिन सभी ने अच्छे भाव के साथ उनकी इस अनपेक्षित मुलाकात की तारीफ की। हैरानी की वजह यह थी कि मीरा की शादी शाहिद कपूर से हुई है, जो सालों पहले करीना के साथ रिलेशनशिप में थे। एक फैन ने कमेंट किया, वाह ! हमने इसकी उम्मीद नहीं की थी लेकिन हम उत्साहित हैं। एक और यूजर ने लिखा, सच कहूं तो, जिंदगी में इस तरह के कोलेबोरेशन की मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी। शो के नए सीजन में करीना महीप कपूर, अली फजल और भावना पांडे के साथ भी बातचीत करती नजर आएंगी। वहीं, एक्टिंग की बात करें तो करीना हाल ही में इन्वेस्टिगेटिव ड्रामा दायरा में मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में करीना और पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस अफसर की भूमिका में हैं, जो जुवेनाइल क्राइम (नाबालिगों द्वारा किए गए अपराध) की अंधेरी और जटिल दुनिया से निपटते हुए एक-दूसरे के आमने-सामने आते हैं। मेकर्स के अनुसार, यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है। हाल ही में दिल्ली में एक प्रेस मीट में, करीना ने मेघना गुलजार की फिल्म श्दायराश में पुलिस अफसर अजूनी का किरदार निभाते समय कानून और न्याय के बीच नैतिक उलझन को समझने के बारे में बात की।



दिवाली तक कम करना है वजन? फॉलो करें यहां दिया डाइट और वर्कआउट प्लान



○ वजन कम करने के लिए अगर एक सही डाइट और वर्कआउट प्लान मिल जाए तो रिजल्ट पाने में आसानी हो जाती है। ऐसे में आपकी मेहनत को कम करने के लिए हम लेकर आए हैं वेट लॉस करवाने वाले एक खास डाइट और वर्कआउट प्लान ।

फेस्टिव सीजन आने वाला है और हर हर कोई इस समय पर सबसे सुंदर दिखना चाहता है। कुछ लोग जो फिटनेस को लेकर लापरवाह होते हैं वह भी इस किसी मौके के आने से पहले खुद को एक शेप में लाने के लिए पूरी तरह से आतुर हो जाते हैं। साल का सबसे बड़ा त्योहार आने में अब लगभग एक ही महीना बाकी रह गया है। ऐसे में अगर सही डाइट और वर्कआउट रूटीन को फॉलो किया जाएगा तो हो सकता है दिवाली से पहले ही बॉडी शेप में आ सकती है। आपके काम को आसान करने के लिए यहां हम एक बेहतरीन डाइट और वर्कआउट प्लान शेयर कर रहे हैं। इस प्लान को अपनाकर आप अपनी भी वेट लॉस जर्नी तय कर सकते हैं।

कैसा होगा फैंट लॉय डाइट प्लान

इस प्लान के मुताबिक

सुबह (उठने के बाद)

गुनगुना जीरा पानी या नींबू पानी

1 चम्मच भीगे हुए मेथी दाने

ब्लैक कॉफी या ग्रीन टी (बिना चीनी)

ब्रेकफास्ट (सुबह 8 से 9 बजे तक)

2—3 उबले अंडे और 5 भीगे हुए बादाम

नींबू और दही के साथ स्पाउट्स चाट

2 मूंग दाल चीले और 100 से 150 ग्राम दही

मिड—मॉर्निंग (नाश्ते और लंच के बीच सुबह 11 से 12 बजे तक)

1 फल सेब, अमरुद या पपीता कोई भी एक सीजनल फल खा सकते हैं। इसे खाने के कुछ समय बाद पानी पिएं।

लंच (दोपहर 1 से 2 बजे तक)

100—150 ग्राम ग्रिल्ड पनीरधचिकनटोफू के अलावा मिक्स वेजिटेबल्स की अच्छी मात्रा थाली में जरूर होनी चाहिए। इन चीजों के साथ1 छोटी कटोरी चावल या 1 से 2 मल्टीग्रेन रोटिया और सलाद लें।

स्नैक (शाम 4 से 5 बजे तक)

ब्लैक कॉफी/ ग्रीन टी और 5 बादाम

1 उबला अंडा और खीरे के टुकड़े

भुने हुए चने

डिनर (शाम 7 से 8 बजे तक)

विलयर वेजिटेबल सूप

ग्रिल्ड वेजिटेबल्स और टोफूधनीरधचिकन

नींबू और हर्ब्स के साथ थोड़ी सलाद

रोजाना के लिए बनाएं ये खास नियम

—अपने शरीर के साइज, एक्टिविटी और मौसम के हिसाब से पर्याप्त पानी पिएं।

—हर मील में प्रोटीन को प्राथमिकता दें।

—रिफाईंड कार्ब्स, एडेड शुगर और बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड फूड कम खाएं।

—मीठे ड्रिंक्स, बार—बार तला—भुना खाना, बिस्कुट, मिठाइयां और जंक फूड, क्रैश डाइटिंग से बचें।

कैसा रहेगा वर्कआउट प्लान

हफते में 3 से 4 बार : स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

स्वैट्स, लंजेस, पुश—अप्स, रोज, शोल्डर प्रेसेस, प्लैंक्सकोर

[इसके साथ धीरे—धीरे अपनी ताकत बढ़ाने पर ध्यान दें।

हफते में 2—3 बाररू कार्डियो

—30—45 मिनट तक तेज चलना (ब्रिस्क वॉकिंग)

—साइकलिंग या जॉकिंग

—अगर आप अच्छी तरह रिकवर कर पाते हैं तो म्प्ज भी शामिल कर सकते हैं

रोजाना

—8000—12500 कदम चलने का लक्ष्य रखें।

—रिकवरी के लिए ऑप्शनल योग या स्ट्रेचिंग करें।

तेजी से फैंट कम करने की रोजाना की आदतें

7 से 9 घंटे की नींद लें।

शरीर में पानी की कमी न होने दें। हमेशा हाइड्रेटेड रहें।

स्ट्रेस को मैनेज करें।

पूरे दिन एक्टिव रहें।

कैलोरी डेफिसिट बनाए रखें यानी जितनी कैलोरी लें, उससे ज्यादा बर्न करें।

रेगुलर अपना वजन ट्रैक करें और हर हफ्ते के ट्रेंड पर ध्यान दें।

हर 1—2 हफ्ते में अपनी कमर का नाप लें।

देर रात बिना जरूरत स्नैक्स खाने से बचें।

कैसा होना चाहिए आपका लक्ष्य

वजन या फैंट कम करने के लिए आपके लक्ष्य में लगातार कैलोरी डेफिसिट बनाए रखना, हाई प्रोटीन डाइट लेना, स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, रोजाना एक्टिविटी, अच्छी नींद और लंबे समय तक चलने वाली प्रोग्रेस पर ध्यान देना होना चाहिए।



अपने घर को हर कोई सुंदर तरीके से सजाता है। घर की सजावट में आजकल पौधों का खास तौर से इस्तेमाल किया जाता है। घर को एस्थेटिक लुक देने के लिए पौधे काफी होते हैं। अगर आप प्लांट्स लवर हैं या फिर गार्डनिंग में नए हैं तो आपको हम 5 ऐसे फूलों वाले पौधों के नाम बता रहे हैं जो घर की बालकनी या फिर छत पर आसानी से लगाए

जा सकते हैं। ये पौधे बहुत जल्दी बढ़ जाते हैं और समय—समय पर भर—भरकर खुशबूदार फूल भी देते हैं। जिन लोगों के पास समय कम है और वह पौधों की देखरेख के लिए हर दिन नहीं निकाल सकते वह भी इन फूलों को घर में लगा सकते हैं। आइए जानते हैं वह कौन से खुशबू वाले फूलों के पौधे हैं, जिन्हें आप घर पर लगा सकते हैं।

1) मोगरा

भारत में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाले पौधों की लिस्ट में मोगराका नाम सबसे पहले आता है। इसकी मीठी, तेज खुशबू शाम होते ही पूरे बगीचे को महका सकती है। ये पौधा 10 से 12 इंच के गमले में आसानी से लग जाता है। इसे लगाने के लिए आपको बगीचे की मिट्टी, थोड़ी गोबर की खाद और थोड़ा हिस्सा रेत का चाहिए

गैस चूल्हा चमकाने के लिए नहीं चाहिए महंगे क्लीनर, ये 2 तरीके करें ट्राई

○ गैस चूल्हे पर रोज खाना बनाते-बनाते तेल, मसाले और खाने के दाग जम जाते हैं। अगर चूल्हा साफ करने में ज्यादा मेहनत लगती है, तो ये 2 आसान तरीके आजमाएं और सफाई का काम आसान बनाएं।

गैस चूल्हे की सफाई रोज के घर के कामों में सबसे ज्यादा झंझट वाली चीजों में से एक लगती है। खाना बनाते समय तेल के छीटे, मसाले और ग्रेवी चूल्हे पर गिरती रहती है और समय पर सफाई न हो तो दाग जमने लगते हैं। खासकर बर्नर के आसपास जमा गंदगी साफ करना थोड़ा मुश्किल होता है। ऐसे में बहुत सारे अलग-अलग नुस्खे आजमाने की जरूरत नहीं है। कुछ आसान चीजों की मदद से चूल्हे की रोज की सफाई काफी आसान हो सकती है। यहां हम ऐसे ही दो तरीके बता रहे हैं, जो सामान्य गैस चूल्हे की सफाई में काम आ सकते हैं। बस सफाई से पहले गैस बंद करें और चूल्हे को पूरी तरह ठंडा होने दें।

1. बेकिंग सोडा से हटाएं जमी चिकनाई

अगर गैस चूल्हे पर तेल और खाने के दाग जम गए हैं, तो बेकिंग सोडा काम आ सकता है। इसके लिए थोड़ा बेकिंग सोडा लेकर उसमें पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को चूल्हे के उन हिस्सों पर लगाएं जहां चिकनाई या खाना चिपका हुआ है। इसे करीब 15 से 20 मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद मुलायम स्पंज या नरम स्क्रब पैड से धीरे-धीरे साफ करें।

बहुत जोर से रगड़ने की जरूरत नहीं है। आखिर में साफ गीले कपड़े से पूरी सतह पोंछ दें और फिर सूखे कपड़े से पानी हटा दें। बहुत ज्यादा गंदे ग्रेट और बर्नर कैप के लिए भी बेकिंग सोडा और पानी का पेस्ट यूज कर सकते हैं।

एक जरूरी बातरू अगर

आपके चूल्हे के ग्रेट लोहे के हैं, तो उन्हें लंबे समय तक पानी में भिगोने से पहले उसके साथ मिली सफाई की जानकारी जरूर देख लें। अलग-अलग चूल्हों के हिस्सों की सफाई का तरीका अलग हो सकता है।

2. बर्नर के छोटे छेद भी करें साफ

कई बार चूल्हा ऊपर से साफ दिखता है, लेकिन बर्नर के छोटे-छोटे छेदों में खाने की गंदगी फंसी रहती है। इसकी वजह से गैस की लौ बराबर नहीं जल पाती। इसे साफ करने के लिए सबसे पहले गैस बंद करें और चूल्हे को पूरी तरह ठंडा होने दें। फिर बर्नर कैप और जरूरत के हिसाब से बर्नर का दूसरा हिस्सा निकालें।

इन्हें हल्के साबुन और गर्म पानी से साफ करके अच्छी तरह



दही जमाना काफी आसान काम है। बस दूध में थोड़ा सा जामन डालो और रात भर के लिए जमने छोड़ दो, दही जम जाती है। लेकिन बात जब मार्केट जैसी गाढ़ी दही जमाने की हो, तो वो थोड़ा मुश्किल होता है। अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि घर पर मार्केट जैसी गाढ़ी दही जमाना मुश्किल होता है। दुनियाभर की ट्रिक्स फॉलो करने के बाद भी दही में थिकनेस नहीं आती और वो पानी छोड़ने लगती है। दरअसल परफेक्ट

दही जमाना कोई रॉकेट साइंस नहीं है। बस कई बार हम छोटी-छोटी गलतियां कर देते हैं जिस वजह से दही ठीक से जम नहीं पाती है और उसमें वो मार्केट जैसा गाढ़ा और मलाईदार टेक्चर नहीं आ पाता है। अगर आपकी दही भी गाढ़ी नहीं जमती है तो चेक करें कि कहीं आप ये गलतियां तो नहीं कर रहे।

इन 5 गलतियां की वजह से नहीं गाढ़ी नहीं जमती दही

गलती 1— दूध का बहुत ठंडा

या गर्म होना

दही जमाने के लिए दूध ना तो ज्यादा गर्म होना चाहिए और ना ही ज्यादा ठंडा। गर्म दूध में जामन डालने से उसमें मौजूद बैक्टीरिया प्रभावित हो सकते हैं, वहीं ठंडे दूध में फर्मेंटेशन का प्रोसेस धीमा हो सकता है। इसलिए दही जमाने के लिए हमेशा गुनगुने दूध का इस्तेमाल करें, दही परफेक्ट जमेगी।

गलती 2— बहुत ज्यादा या बहुत खड़ी पुरानी दही डालना

अच्छी दही ना जमने के पीछे

महीनों तक फ्रेश रहेगा करी पत्ता! जानिए फ्रिज में स्टोर करने के 3 सही तरीके

करी पत्ता कढ़ी, पोहा, फ्राइड राइस, इडली और सांभर जैसी कई चीजों का स्वाद बढ़ा देता है। अब कई लोग करी पत्ता घर में भी उगाते हैं, जबकि कुछ लोग बाजार से खरीदकर इसे फ्रिज में स्टोर कर लेते हैं। हालांकि, फ्रिज में लंबे समय तक रखे रहने पर करी पत्ता अक्सर काला पड़ने लगता है और फिर इसे फेंकना पड़ता है। दरअसल, ज्यादा नमी के कारण करी पत्ता जल्दी खराब हो सकता है। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। करी पत्ते को फ्रिज में सही तरीके से

○ करी पत्ता खाने की कई चीजों में इस्तेमाल किया जाता है और अब लोग इसे बाजार से लाकर फ्रिज में स्टोर करके रखते हैं। लेकिन कई बार पत्ते काले पड़ जाते हैं और फिर फेंकना पड़ता है। चलिए बताते हैं करी पत्ता स्टोर करने के 3 आसान तरीके।

स्टोर करने के कुछ आसान टिप्स हैं, जिन्हें अपनाकर आप इसे लंबे समय तक हरा और फ्रेश रख सकते हैं।

क्यों काला पड़ जाता है करी पत्ता

करी पत्ता अक्सर नमी के कारण काला या फिर सूख जाता है। अगर आप उसे पानी में धोकर रखते हैं या फिर उसमें मिट्टी लगी होती है, तो वह

काला पड़ेगा। करी पत्ता हमेशा सूखा स्टोर करना चाहिए। अगर आप पेड़ से तोड़ रहे हैं तब भी उसे सुखाकर ही रखें। यहां 3 स्टोरेज टिप्स हैं, जिनकी मदद से आप करी पत्ता लंबे समय तक स्टोर कर सकते हैं।

1. पत्तों को धोकर तुरंत फ्रिज में न रखें

करी पत्ते को लंबे समय तक स्टोर करना है तो इसे

बालकनी-छत पर लगाएं ये 5 खुशबूदार फूल, कम देरबाल में भी खिलेंगे भर-भरकर

○ बालकनी या फिर छत को सुंदर बनाने के लिए उसमें पौधे लगाए हैं तो इन 5 फूलों वाले पौधों को भी जरूर लगाएं। गमले में लगने वाले ये फूलों के पौधे थोड़ी बहुत केयर करने पर ढेरों फूल दे सकते हैं।

होगा। पौधे को 4 से 6 घंटे की सीधी धूप चाहिए होती है और बारिश और ठंडे के मौसम में इसे ना के बराबर पानी चाहिए होता है। हालांकि गर्मी में मिट्टी के एक से दो इंच सूखने पर पानी देना होता है।

2) पारिजात

इसे हरश्रृंगार के नाम से भी जाना जाता है। ये नाजुक सफेद—नारंगी फूल होते हैं जिनकी खुशबू काफी रिलैक्सिंग और शांत होती है। इसे पौधे को भी आप 12 से 15 इंच के गमले में लगाएं। इस पौधे को भी 4 से 5 घंटे की धूप चाहिए होती है और समय के साथ ये काफी बड़ा होता रहता है। फूल आने के बाद हल्की प्रूनिंग करने से पौधे को आकार देने और नई शाखाएं बढ़ाने में मदद मिलती है।

3) रात की रानी

ये पौधा रात होते ही अपनी तेज खुशबू से पूरा इलाका महका देता है। इसके छोटे, हल्के हरे—सफेद फूल अक्सर रात में खिलते हैं और शाम से रात तक इसकी खुशबू काफी तेज हो सकती है। इसे 12 से 14 इंच के गमले में उगाएं, हालांकि जब ये बड़ा होने लगे तब इसे बड़े गमले में लगाएं।इसे सुबह की अच्छी धूप में रखें और ऊपर की 1दृ2 इंच मिट्टी सूख जाए तभी पानी दें। पानी जमा न होने दें।

4) चंपा

चंपा एक खुशबूदार फूल वाला पौधा है। इसके फूल सफेद, पीले, गुलाबी या लाल रंग के हो सकते हैं। इसके पत्ते बड़े और मोटे होते हैं और गर्म मौसम में यह खूब बढ़ता है। इस पौधे को सही धूप मिलने

पर फूलों की खुशबू बहुत अच्छी आती है। चंपा के पौधे को 5 से 7 घंटे की सीधी धूप चाहिए होती है। इस पौधे को गर्मी पसंद है, इसलिए सर्दियों में इसकी ग्रोथ कम होती है।

5) रजनीगंधा

रजनीगंधा एक बल्ब से उगने वाला बेहद खुशबूदार फूल वाला पौधा है। इसके लंबे, पतले हरे पत्ते होते हैं और बीच से लंबी डंडी निकलती है, जिस पर सफेद, छोटे-छोटे फूल लगते हैं। इसकी खुशबू खासकर शाम और रात में बहुत अच्छी आती है। रजनीगंधा के बल्ब को लगभग 2दृ3 इंच गहरा लगाएं और ऊपर थोड़ी मिट्टी रखें।इस पौधे में बल्ब के आसपास पानी जमा होना सबसे बड़ी समस्या हो सकती है, इसलिए गमले की ड्रेनेज अच्छी रखें।



सुखा लें। बर्नर के छोटे छेद में अगर गंदगी फंसी है, तो पतली पिन या सुई से उसे धीरे से साफ कर सकते हैं। छेद को बड़ा या टेढ़ा करने की कोशिश बिल्कुल न करें। लकड़ी की टूथपिक का इस्तेमाल भी न करें क्योंकि उसका टुकड़ा अंदर फंस सकता है।

सफाई के बाद यह गलती न करें

बर्नर के सभी हिस्सों को वापस लगाने से पहले यह जरूर

देख लें कि वे पूरी तरह सूखे हों। गीले बर्नर से गैस जलने में परेशानी हो सकती है। कैप को उसी जगह सही तरीके से लगाएं और देखें कि वह बर्नर पर ठीक से बैठा हो। अगर सफाई के बाद भी गैस की लौ ठीक से नहीं जल रही है, बार—बार आवाज आ रही है या लौ का रंग सामान्य नहीं है, तो खुद से बर्नर के अंदर छेड़छाड़ न करें। ऐसे में किसी एक्सपर्ट से चूल्हे

की जांच करवाना बेहतर है

एक छोटी-सी आदत

गैस चूल्हे को बहुत गंदा होने के बाद साफ करने के बजाय खाना बनाने के बाद, चूल्हा ठंडा होने पर, एक बार गीले कपड़े से पोंछ दें। इससे तेल और खाने के दाग ज्यादा जमने नहीं पाएंगे। रोज की यह छोटी सी आदत बाद की सफाई को काफी आसान बना देती है।

घर की जमी दही पानी छोड़ देती है? इन 5 गलतियों की वजह से नहीं बनती गाढ़ी-थक्केदार!

○ मार्केट जैसी गाढ़ी दही घर पर जमाना कोई मुश्किल काम नहीं है। इसके लिए आपको दूध में कुछ खास मिलाने की भी जरूरत नहीं है। बस ये छोटी-छोटी 5 गलतियां अर्वाइड करें। कई बार इन्हीं की वजह से घर वाली दही बिल्कुल पतली पानी जैसी जमती है।

एक गलती ये भी हो सकती है कि आप या तो जरूरत से ज्यादा जामन डाल रहे हैं या बहुत खड़ी पुरानी दही को जामन की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे दही का स्वाद और टेक्चर दोनों पर असर पड़ सकता है। अच्छी और क्रीमी दही जमाने के लिए हमेशा दूध की मात्रा के हिसाब से थोड़ी सी ताजी दही का इस्तेमाल करना चाहिए।

गलती 3— जामन डालने के बाद दूध को जरूरत से ज्यादा हिलाना

जामन डालने के बाद दूध को बहुत ज्यादा या बार—बार हिलाना

भी दही जमने की प्रक्रिया को खराब कर सकता है। इसलिए दूध में जामन मिलाने के बाद हल्के हाथों से एक-दो बार मिक्स करें और बर्तन को ढककर रख दें। बर्तन को बार—बार हिलाना या इधर-उधर करना भी अर्वाइड करें। ऐसा करने से दही की कंसिस्टेंसी पतली रह सकती है।

गलती 4— बार—बार दही को चेक करना

दही जमाते समय बार—बार ढक्कन खोलकर उसे चेक करना भी सही नहीं है। ऐसा करने से अंदर का टेंपरेचर बदल सकता है, जिससे फर्मेंशन की प्रक्रिया प्रभावित

हो सकती है और दही जमने में ज्यादा टाइम भी लग सकता है। इसलिए दूध में जामन डालने के बाद बर्तन को कुछ देर ढककर भूल जाएं। इसे बार—बार चेक ना करें।

गलती 5— बहुत पतले दूध से क्रीमी टेक्सचर की उम्मीद करना

दही की कंसिस्टेंसी काफी हद तक दूध पर निर्भर करती है। अगर दूध पतला है और कम फैंट वाला है तो उससे गाढ़ी और क्रीमी दही जमाना मुश्किल है। इसलिए अगर आप बाजार जैसी गाढ़ी दही जमाना चाहते हैं तो फुल क्रीम दूध का इस्तेमाल करें।



रहता है।

2. पेपर टॉवल में लपेटकर करें स्टोर

करी पत्ते को फ्रेश रखने के लिए पेपर टॉवल का इस्तेमाल किया जा सकता है। सबसे पहले पत्तों को साफ और

सूखे कपड़े या पेपर टॉवल से हल्के हाथों से पोंछ लें, ताकि उन पर किसी तरह की नमी न रहे। इसके बाद करी पत्ते को एक सूखे पेपर टॉवल में लपेटें और एयरटाइट कंटेनर या जिप लॉक बैग में रख दें।

सक्षिप्त



RoDTEP स्कीम 31 दिसंबर तक बढ़ी, CII ने कहा निर्यातकों को मिलेगी मजबूती

नयी दिल्ली। निर्यात किए गए उत्पादों पर शुल्क और करों में छूट (आरओडीटीईपी) योजना को 31 दिसंबर तक बढ़ाया जाना निर्यातकों के लिए महत्वपूर्ण है। इससे चुनौतीपूर्ण और बदलते वैश्विक व्यापार माहौल के बीच भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा बनाए रखने में मदद मिलेगी। उद्योग मंडल सीआईआई की राष्ट्रीय निर्यात समिति के चेयरमैन संजय बुधिया ने शनिवार को यह कहा। आरओडीटीईपी योजना की शुरुआत वर्ष 2021 में की गई थी। योजना के तहत निर्यातकों को वस्तुओं के विनिर्माण और वितरण की प्रक्रिया में लगे उन करों, शुल्कों और उपकरणों की वापसी की जाती है, जिनकी भरपाई केंद्र, राज्य या स्थानीय स्तर पर लागू किसी अन्य व्यवस्था के तहत नहीं होती है। इस योजना के तहत निर्यातकों को 0.3 प्रतिशत से 3.9 प्रतिशत तक की दर से कर वापसी की जाती है। पेट्रन इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक बुधिया ने कहा कि योजना के विस्तार से अधिक निश्चितता मिलेगी, जिससे निर्यात कीमतें अधिक प्रभावी ढंग से तय करने और दीर्घकालिक अनुबंध हासिल करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा, “यह समय पर किया गया विस्तार निर्यातकों को महत्वपूर्ण समर्थन देता है और चुनौतीपूर्ण तथा बदलते वैश्विक व्यापार परिवेश के बीच भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धा बनाए रखने में मदद करेगा।” भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व करते हुए 30 सितंबर, 2026 को समाप्त होने वाली इस योजना को पांच साल की लंबी अवधि के लिए जारी रखने की सिफारिश की थी। भारत का निर्यात चालू वित्त वर्ष 2026–27 में अप्रैल–अगस्त के दौरान सालाना आधार पर 17.85 प्रतिशत बढ़कर 215.91 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 18.21 प्रतिशत बढ़कर 363 अरब डॉलर रहा। सरकार ने चालू वित्त वर्ष में वस्तुओं और सेवाओं के निर्यात को 1,000 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2025–26 में यह 863 अरब डॉलर था।

टैरिफ और पाबंदियों को आर्थिक हथियार बना रहे कई देश : पीके मिश्रा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा ने शनिवार को कहा कि निर्यात पर पाबंदियां, प्रतिबंध और आयात शुल्क अब आर्थिक नीतियों के साधन बन चुके हैं और कभी-कभी इनका इस्तेमाल हथियार की तरह भी किया जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध ऊर्जा और खाद्य बाजारों को अस्त–व्यस्त कर देते हैं, जबकि समुद्री रास्ते और रणनीतिक भौगोलिक मार्ग आर्थिक दृष्टि से संवेदनशील बन जाते हैं। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में ए वर्ल्ड प्राइस्ड फॉर रिस्क विषय पर उन्होंने कहा कि भारत ऊर्जा का एक बड़ा आयातक देश है, और किसी भी महत्वपूर्ण समुद्री रास्ते में लंबे समय तक आने वाली रुकावट अर्थव्यवस्था पर बुरा असर डाल सकती है। इसलिए भारत ने सुरक्षा के कई स्तरों को मिलाकर अपनी रणनीति तैयार की है। उन्होंने कहा, ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की बाधाएं इस बात की साफ याद दिलाती हैं कि भूगोल किस तरह आर्थिक जोखिम में बदल सकता है। किसी देश का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि निर्यात प्रतिबंध, आर्थिक पाबंदियां और शुल्क अब आर्थिक नीतियों के साधन बन गए हैं, और कई बार तो इन्हें एक हथियार की तरह आजमाया जाता है। अमेरिका पूर्व में कई वजहों से भारत सहित कई देशों पर शुल्क लगाने की घोषणा कर चुका है। हाल में अमेरिका ने लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट 2026 लागू किया है, जो रूस से तेल और गैस खरीदने वाले भारत और चीन जैसे देशों पर 100 प्रतिशत तक का शुल्क लगाने का अधिकार देता है। मिश्रा ने बताया कि भारत ने भारी भंडारण क्षमता तैयार की है, जहां संभव हो घरेलू उत्पादन बढ़ाया है और खरीदारी के स्रोतों में विविधता लाई गई है।

सेबी के समापन नीलामी सत्र पर 3,500 से अधिक सुझावों के बाद जल्द लाएगा नई रूपरेखा

नयी दिल्ली। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शनिवार को कहा कि सेबी को समापन नीलामी सत्र व्यवस्था में प्रस्तावित बदलावों पर 3,500 से अधिक टिप्पणियां मिली हैं और वह इनका अध्ययन करने के बाद जल्द ही नई रूपरेखा जारी करेगा। सेबी ने समापन नीलामी सत्र (सीएएस), बाजार के समय और वायदा एवं विकल्प खंड में अनुबंधों के निपटान की प्रक्रिया से जुड़े कुछ पहलुओं की समीक्षा के अपने प्रस्ताव पर जनता से सुझाव मांगे थे। सुझाव देने की अंतिम तारीख 3 अक्टूबर है। यह पूछे जाने पर कि सीएएस पर अंतिम रूपरेखा या परिपत्र कब तक जारी हो सकता है, पांडेय ने कहा कि नियामक टिप्पणियों की तेजी से समीक्षा कर आगे की प्रक्रिया शुरू करेगा। पांडेय ने सीपीआईआई (कमोडिटी एंड कैपिटल मार्केट पार्टिसिपेंट्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, “आज अंतिम तारीख है और हम वास्तव में इन सभी टिप्पणियों को देखेंगे और आगे बढ़ेंगे, क्योंकि मुझे लगता है कि हमारे प्रस्ताव काफी स्पष्ट हैं।” उन्होंने कहा कि परामर्श पत्र में प्रस्ताव स्पष्ट रूप से परिभाषित होने के कारण टिप्पणियों को संकलित करने और उनका विश्लेषण करने में ज्यादा समय नहीं लगेगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या इस मामले में जल्द ही परिपत्र जारी किया जा सकता है, तो उन्होंने कहा, “हां, ऐसा होगा।” सेबी ने सितंबर में सीएएस व्यवस्था तथा सूचकांक और शेयर डेरिवेटिव (वायदा एवं विकल्प) के समाप्ति वाले दिन निपटान कीमत निर्धारित करने की पद्धति में बदलाव का प्रस्ताव किया था। यह समीक्षा इक्विटी नकदी खंड में सीएएस लागू किए जाने और डेरिवेटिव के निपटान मूल्य पर इसके प्रभाव को लेकर उठी चिंताओं के बाद की गई। सीएएस का उद्देश्य नीलामी प्रक्रिया के जरिये शेयरों के समापन मूल्य का निर्धारण करना है। सेबी ने कहा है कि इस समीक्षा का उद्देश्य कुछ विशिष्ट मुद्दों का समाधान करना है और इसके लिए उन्हें दूर करने के विभिन्न संभावित तरीकों पर बाजार प्रतिभागियों से राय मांगी गई है। पांडेय ने कहा कि परामर्श प्रक्रिया को एक विशेष समस्या के समाधान के लिए तैयार किया गया था। साथ ही बाजार प्रतिभागियों को उसके समाधान के अलग–अलग तरीके सुझाने का अवसर दिया गया।

क्रिकेट में डबल गोल्ड: महिलाओं के बाद पुरुष टीम ने भी जीता स्वर्ण पदक, एशियन गेम्स में भारत का ‘क्लीन स्वीप’

निशिन। एशियन गेम्स की क्रिकेट स्पर्धा में भारत को दोहरी सफलता मिली है। पहले हरमनप्रीत कौर की महिला टीम ने श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता था और अब श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली पुरुष टीम ने पाकिस्तान को मात देकर लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। भारत को इस तरह एशियाड में क्रिकेट स्पर्धा में डबल गोल्ड मिला और दोनों टीमों अपना वर्चस्व कायम रखने में सफल रहें।

भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार जीता स्वर्ण

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स में लगातार दूसरी बार स्वर्ण जीता है। पिछली बार 2023 हांगझोउ में भी ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में स्वर्ण जीता था। वहीं, क्रिकेट में भारत ने दोनों स्वर्ण अपने नाम किए। इससे पहले महिला क्रिकेट टीम ने भी स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। महिला क्रिकेट टीम ने 2023 हांगझोउ में भी स्वर्ण जीता था। क्रिकेट में भारत



रोमांचक मैच में दी मात

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण जीत लिया। भारत ने एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के फाइनल में छह विकेट पर 211 रन बनाए थे। यह टी20 में भारत का पाकिस्तान के खिलाफ सबसे बड़ा टोटल था। भारत ने 14 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। 2012 में भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 192 रन

बानाए थे। भारत के लिए अभिषेक शर्मा और तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाए। अभिषेक ने 28 गेंद में तीन चौके और सात छक्के की मदद से 61 रन की पारी खेली। वहीं, तिलक ने 22 गेंद में तीन चौके और चार छक्के की मदद से नाबाद 51 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में छह विकेट पर 192 रन ही बना सकी।

आखिरी ओवर तक बरकरार

भारत से हार के बाद पाकिस्तान में मचा घमासान शोएब अख्तर ने टीम को सुनाया, सैम अयूब पर भी बरसे तनवीर अहमद

निशिन। एशियन गेम्स 2026 के क्रिकेट फाइनल में भारत से पाकिस्तान की हार के बाद पड़ोसी देश में टीम के प्रदर्शन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रन से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि पाकिस्तान को रजत से संतोष करना पड़ा। मुकाबले के बाद पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों की प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे बयानों में शोएब अख्तर ने भारत–पाकिस्तान प्रतिद्वंद्विता को लेकर पाकिस्तान की स्थिति पर सवाल उठाए, जबकि तनवीर अहमद ने सैम अयूब के वैभव सूर्यवंशी के खिलाफ किए गए इशारे और उनके प्रदर्शन की आलोचना की। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक बयान में शोएब अख्तर ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट प्रतिद्वंद्विता को लेकर कड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अब दोनों टीमों के बीच वैसी वास्तविक प्रतिद्वंद्विता नहीं रह गई है

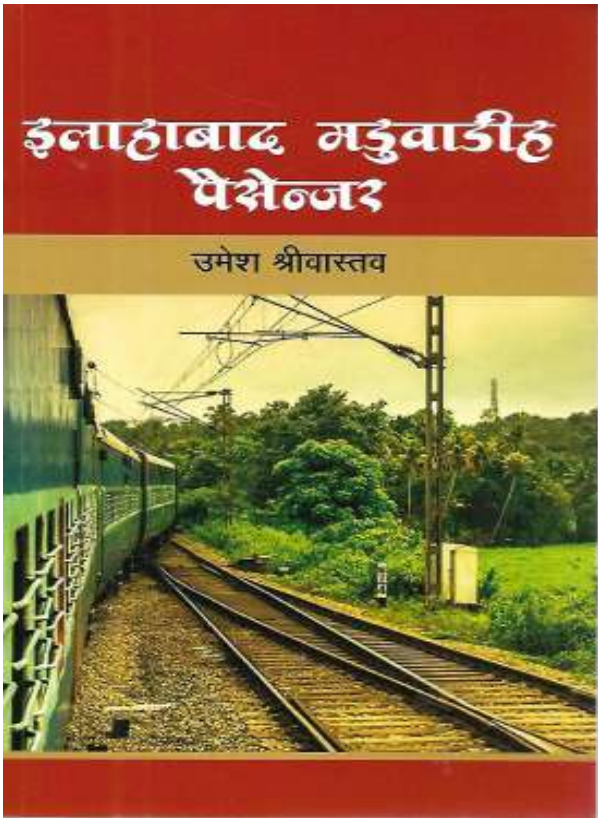
जैसी पहले हुआ करती थी। अख्तर ने कहा, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि अब भारत और पाकिस्तान के बीच कोई वास्तविक प्रतिद्वंद्विता नहीं है। मैच से पहले ही सभी को उम्मीद होती है कि भारत जीतेगा और पाकिस्तान हारेगा और वही हुआ। इसमें कुछ भी हैरान करने वाला नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हर भारत–पाकिस्तान मैच के बाद पाकिस्तान को शर्मिंदगी महसूस करनी पड़ती है और अब यह आम बात हो गई है।

सिल्वर भी महंगा है

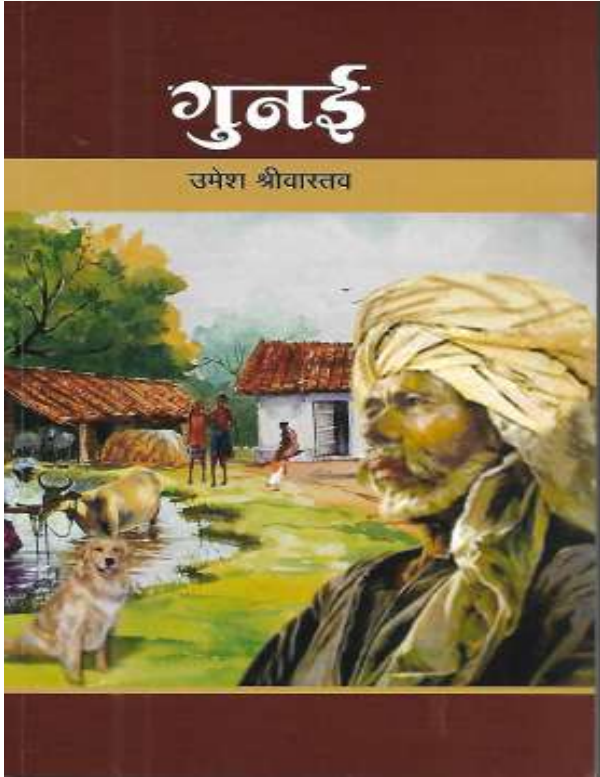
शोएब अख्तर का एक दूसरा वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें उनसे भारत के स्वर्ण पदक जीतने पर प्रतिक्रिया पूछे जाने का दावा किया जा रहा है। वायरल क्लिप में अख्तर कहते हैं कि भारत को जीतना ही था और पाकिस्तान को कम से कम रजत पदक जीतने पर खुश होना चाहिए। इसके बाद



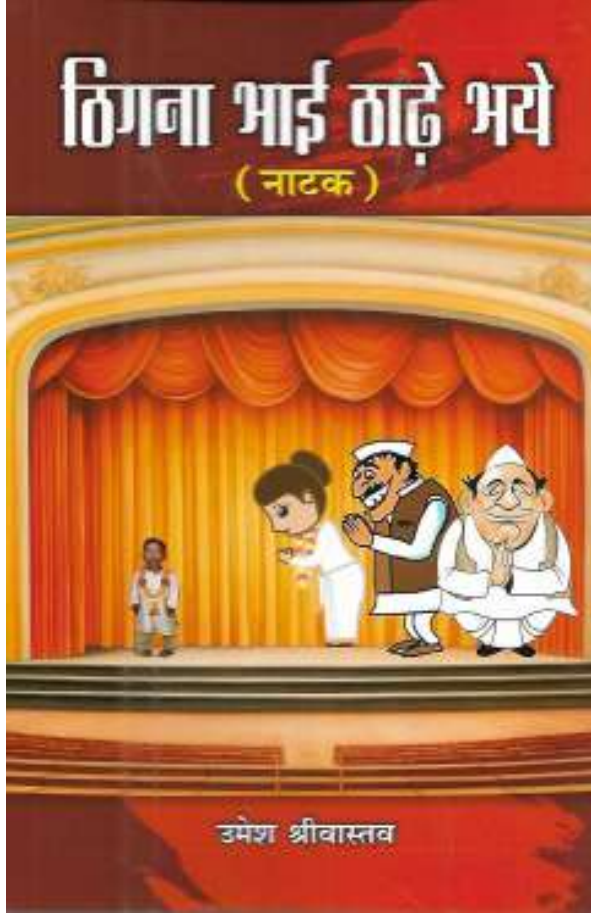
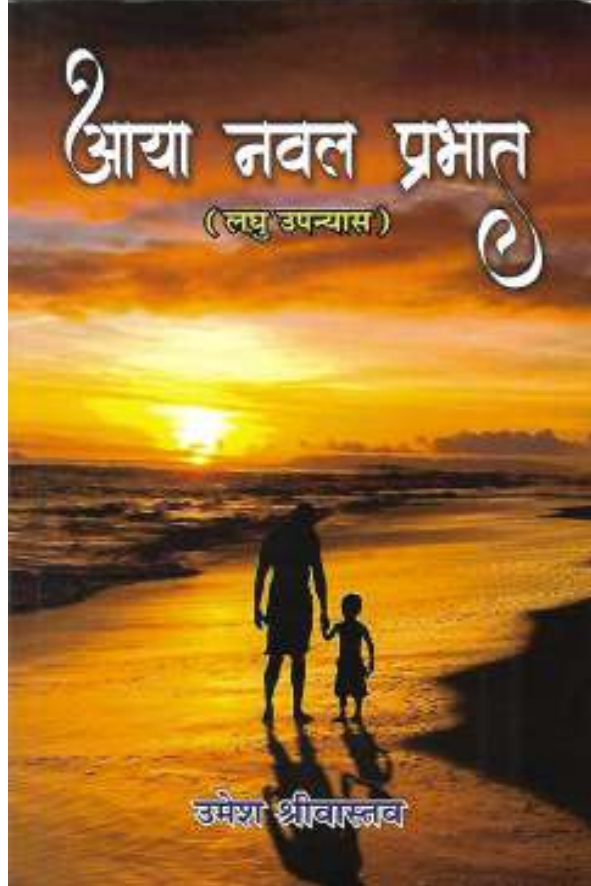
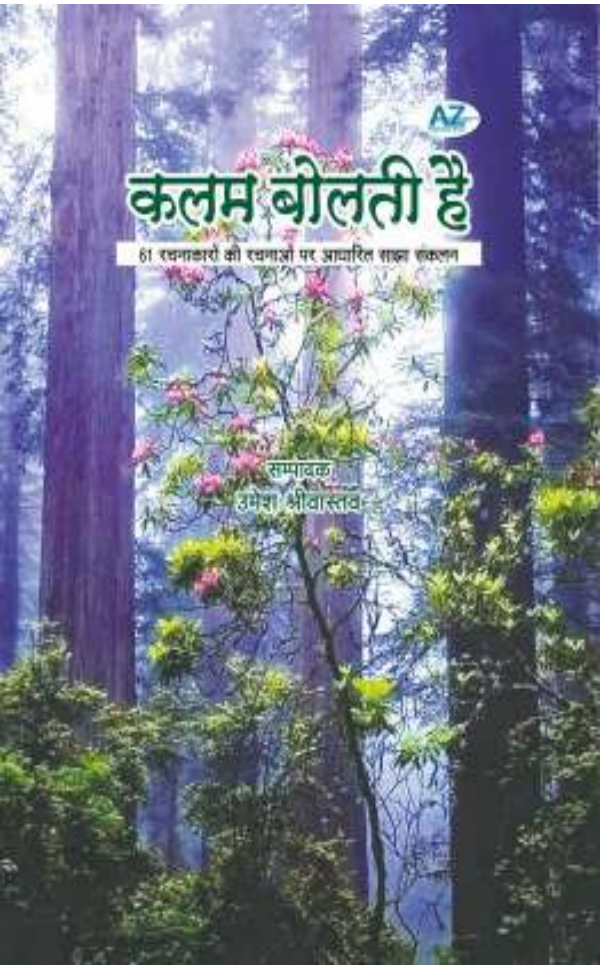
वह पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहते हैं कि रजत पदक भी महंगा है और इससे देश की अर्थव्यवस्था को कुछ फायदा होगा। वायरल बयान में वह आगे कहते हैं कि जिस देश में आटा और पानी जैसी बुनियादी चीजों को लेकर समस्या है, वहां रजत पदक मिलने का जश्न मनाना चाहिए।



समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।



चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित



ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

पायलट पर भड़के ट्रंप–नेतन्याहू..मुस्लिम देश को ‘उड़ाने’ का किया ऐलान!

दुबई से उड़ान भरकर इजराइल जाने वाले विमान में कट्टरपंथी को पायलट ने जिस तरह से उसे क्रैश करने की कोशिश की और फिर अपनी जान जोखिम में डालकर भारतीय कैप्टन स्मित ने इस कोशिश को नाकाम करते हुए १७० से ज्यादा यात्रियों को बचाया। उसके बाद से ही पूरी दुनिया रिश्त मछार की बहादुरी को सलाम कर रही है। इजराइल के पीएम नेतन्याहू और अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारतीय पायलट को सच्चा हीरो बताया है तो कुछ कट्टरपंथियों के पेट में दर्द हो गया है। भारतीय पायलट की बहादुरी से पाकिस्तानियों को इतनी मिर्ची लगी है कि वो जमकर जहर उगल रहे हैं क्योंकि उस विमान में बहुत सारे इजराइली लोग थे और इजराइल से कैसे पाकिस्तान के लोग जो है जलते हैं वो

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर ईटों से हमला, खिड़कियां टूटीं, अंदर मौजूद थे श्रद्धालु

अमेरिका में ओहायो के ग्रेटर क्लीवलैंड इलाके में एक हिंदू मंदिर में ईंटें फेंककर तोड़–फोड़ की गई, जिससे इमारत को नुकसान पहुंचा और खिड़कियां टूट गईं। यह जानकारी अमेरिका में हिंदुओं के अधिकारों के लिए काम करने वाले एक संगठन ने दी। कोएलिशन ऑफ़ हिंदूज़ ऑफ़ नॉर्थ अमेरिका (CoHNA) के अनुसार, यह घटना शुक्रवार दोपहर को हुई, जब श्री स्वामीनारायण हिंदू मंदिर वडतालधाम के अंदर पुजारी और कुछ भक्त मौजूद थे। हालांकि, संगठन ने यह नहीं बताया कि कोई घायल हुआ या नहीं। संगठन ने रिचमंड हाइट्स की मेयर किम थॉमस और शहर



के अधिकारियों से इस घटना की निंदा करने और पुलिस से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की। संगठन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा हम मेयर किम थॉमस और @RichmondHtsOH से ऐसी कट्टरता की निंदा करने और @PoliceRichmond से दोषी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई करने की अपील करते हैं। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन (HAF) ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यह संभावित हेट क्राइम (नफरत से प्रेरित अपराध) ऐसे समय में हुआ है जब हिंदू अमेरिकन समुदाय के खिलाफ अभूतपूर्व नफरत और जहरीली बातें फैलाई जा रही हैं। संगठन ने कहा हम अपने देश के चुने हुए नेताओं और सरकारी एजेंसियों से भी अपील करते हैं कि वे भारतीय और हिंदू अमेरिकन समुदायों के खिलाफ नफरत भरी बातों की सार्वजनिक रूप से और साफ तौर पर निंदा करें। २५th की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुहाग शुक्ला ने भी इस घटना की निंदा की और कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा अब यह असलियत बन गई है। ऑनलाइन नफरत अब हिंदू मंदिर पर असल हमले में बदल गई है। वीडियो देखें और अपराधी को पकड़ें। यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब राज्य में भारतीय–अमेरिकी समुदाय १० दिनों से भी कम समय में नवरात्रि त्योहार के साथ शहिदू हेरिटेज मंश्वर मनाने की तैयारी कर रहा था। हिंदू समुदाय की वकालत करने वाले इस समूह ने पहले भी अमेरिका में हिंदू धार्मिक स्थलों पर हमलों और तोड़–फोड़ की घटनाओं को रिकॉर्ड किया है। इनमें अगस्त २०२२ में क्वीस, न्यूयॉर्क के श्री तुलसी मंदिर में गांधीजी की मूर्ति में तोड़–फोड़ और दिसंबर २०२३ में नेवार्क, कैलिफोर्निया के डेंट्टे श्री स्वामीनारायण मंदिर में ग्रैफ़िटी (दीवार पर पेंटिंग/लिखावट) जैसी घटनाएं शामिल हैं। संगठन ने २०२४ में न्यूयॉर्क और कैलिफोर्निया में ठ है मंदिरों पर हुए हमलों की भी जानकारी दी थी।

कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ३०० सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आएंगे भारत

वाशिंगटन। कनाडा के व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने शुक्रवार को कहा कि वह इस महीने के अंत में करीब ३००–सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आएंगे और विभिन्न क्षेत्रों में अवसर तलाशेंगे। सिद्धू ने बृहस्पतिवार को अमेरिका के मिलवॉकी में वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की थी। उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा इस साल के अंत तक व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीडीपीए) संपन्न करने के प्रयासों के तहत नयी दिल्ली के वार्ताकारों के साथ अगले दौर की बातचीत शुरू करेंगे। भारत और कनाडा ने इस साल मार्च में द्विपक्षीय व्यापार समझौते की घोषणा की थी, जिसका लक्ष्य २०३० तक दोनों देशों के बीच व्यापार को ७० अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचाना है। सिद्धू ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, “मुंबई में चौधे दौर की वार्ता पूरी होने के बाद मैंने जी२० बैठक के दौरान मंत्री पीयूष गोयल से फिर मुलाकात की।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/ शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/ साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर ९१९००५२ ३९३३२

९१९४५०४८२२२७

गया था। उसको कट्टरपंथी ट्रेनिंग दी गई थी। उन्होंने कहा कि एक नियम की खामी का फायदा उठाकर आरोपी पायलट प्लेन में आया था। नियम यह है कि इजराइल के लिए उड़ान भरने वाले पायलट ऐसे देशों से नहीं हो सकते जिनके इजराइल के साथ राजनयिक संबंध नहीं है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम मामले की तह तक जाएंगे। तो वे यूएई ने भी अपनी जांच शुरू कर दी है और कहा है कि वह यह पता लगाएगा कि हमले का किसी आतंकी मकसद से संबंध था या नहीं। उधर ट्रंप भी इस घटना को लेकर भड़के हुए हैं।

ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अगर विमान की घटना में ईरान की भूमिका साबित होती है तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यानी कि ट्रंप ने एक तरह से यह कह दिया है कि अगर इस

सीरिया में कट्टरपंथी बना था फ्लाईदुबई का आरोपी को–पायलट, यूएई में शुरू हुई जांच

अल अरबिया इंग्लिश के सूत्रों के अनुसार, एक चौंकाने वाली घटना में, तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छार पर हमला करने के आरोपी ओमान के को–पायलट की पहचान हमम अलहममी के तौर पर हुई है। अल अरबिया इंग्लिश की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि ओमान के इस को–पायलट को पहले भी ओमान में उड़ान भरने से रोका गया था, क्योंकि सीरिया में रहने के दौरान उसके चरमपंथी विचारों से प्रभावित होने की आशंका थी। अधिकारियों द्वारा उड़ान भरने से रोके जाने के बाद हमम अल–हमामी ओमान से चले गए थे। अल–अरबिया की रिपोर्ट के अनुसार, चरमपंथी विचारों को लेकर अधिकारियों द्वारा उड़ान भरने से रोके जाने के बाद वह ओमान से चले गए थे। सूत्रों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ओमान के इस को–पायलट ने अपना ज़्यादातर समय देश के बाहर, खासकर सीरिया में बिताया था, जहाँ नॄप्त जाने से पहले वह चरमपंथी विचारों से प्रभावित हुआ था। इस बीच, CNN ने यह भी रिपोर्ट किया कि चरमपंथी विचारों को लेकर चिंताओं के कारण ओमान के इस को–पायलट को पिछले साल ओमान की नेशनल एयरलाइन में उसकी पिछली नौकरी से हटा दिया गया था। इसके अलावा, मामले से वाकिफ एक क्षेत्रीय राजनयिक सूत्र ने CNN को बताया कि संदिग्ध को उसके चरमपंथी विचारों की

अमेरिका ने ईरान को फिर से घेरा! ट्रंप ने तीसरा विमानवाहक पोत और १० हजार सैनिक भेजे

दो–तीन दिन पहले तक खबर थी कि अमेरिकी सेना इराक से अपना बोरिया–बिस्तर समेट रही है। ३० सितंबर को अमेरिकी और गठबंधन बलों ने इराक में अपनी आखिरी प्रमुख तैनाती भी समाप्त कर दी। ईरान और उसके समर्थकों ने इसे अमेरिका के पश्चिम एशिया से पीछे हटने की शुरुआत के तौर पर पेश किया। लेकिन अब तस्वीर अचानक पलटती दिखाई दे रही है। इराक से सैनिक निकले हैं, मगर अमेरिकी सैन्य शक्ति पश्चिम एशिया से दूर जाने की बजाय समुद्र और हवा के रास्ते फिर से ईरान के आसपास जमा हो रही है। यही वह बदलाव है जिसने एक बार फिर पूरे पश्चिम एशिया में युद्ध के बादल गहरा दिए हैं। अमेरिका ने एक और विमानवाहक पोत और हजारों सैनिकों को क्षेत्र की ओर रवाना कर दिया है। रिपोर्टों के मुताबिक नवंबर के अंत तक पश्चिम एशिया के आसपास तीन अमेरिकी विमानवाहक पोत और दो उभयचर युद्ध समूह तैनात हो सकते हैं। इस अतिरिक्त सैन्य जमावड़े में करीब ९,००० से १०,००० अमेरिकी सैनिक, नौसैनिक और मरीन शामिल हो सकते हैं। सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर अमेरिका इराक से निकलते ही समुद्री शक्ति को ईरान के आसपास क्यों बढ़ा रहा है? हम आपको बता दें कि अमेरिका का यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट विमानवाहक



घटना में ईरान का हाथ पाया गया तो उसे दहला दिया जाए। पीएम मोदी ने भी कैप्टन स्मिथ से बात की। इस दौरान स्मिथ बेहद भावुक हो गए। बातचीत के दौरान भारतीय पायलट ने घटना की जानकारी दी और बताया कि उन्हें किस चीज से हिम्मत मिली। स्मिथ

ने बताया कि मैं मुश्किल हालात में हनुमान चालीसा पढ़ रहा था। मैं हमेशा पढ़ता हूं। सर आई एम जस्ट मैं एक सिर्फ पॉजिटिविटी में मैं जभी भी मेरे को दर्द होता है। मुझे एक ही चीज आती है। मैं सिर्फ हनुमान चालीसा बोलता हूं। उस टाइम पे भी मैं सिर्फ हनुमान चालीसा



CNN ने यह भी रिपोर्ट किया कि संदिग्ध को सज़ुदी अरब, जहाँ विमान उतरा था, से यूएई भेज दिया गया, जहाँ उस पर आतंकवाद की जाँच चल रही है। एक इजराइली अधिकारी ने CNN को बताया कि संदिग्ध ने फ्लाईदुबई (Flydubai) के लिए केवल आठ महीने काम किया था, जबकि एक तीसरे सूत्र ने कहा कि उसने पहले रॉयल एयर मारोके के लिए काम किया था।

अमेरिका ने ईरान को फिर से घेरा! ट्रंप ने तीसरा विमानवाहक पोत और १० हजार सैनिक भेजे

बता दें कि विमानवाहक पोत महज युद्धपोत नहीं होता। उसके साथ लड़ाकू विमान, मिसाइल रक्षा प्रणाली, निगरानी क्षमता और कई अन्य युद्धपोत चलते हैं। इसके साथ उभयचर युद्ध समूह और मरीन बल



एक्सपीडिशनरी यूनिट के दो हजार से अधिक मरीन हैं। रिपोर्टों के अनुसार इस पूरे अभियान में नौसैनिकों और मरीन समेत नौ से दस हजार अतिरिक्त अमेरिकी सैन्यकर्मों शामिल हो सकते हैं। हम आपको बता दें कि अमेरिका के पास पहले से ही क्षेत्र में लगभग ५० हजार सैनिक मौजूद हैं। नई तैनाती के बाद उसकी सैन्य मौजूदगी और अधिक शक्तिशाली हो जाएगी। अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से रिपोर्टों में कहा गया है कि इस शक्ति–संकेंद्रण से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पास ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए अधिक सैन्य विकल्प उपलब्ध होंगे। यानी संदेश बिंकुल साफ है कि ईरान के आसपास समुद्री, हवाई और त्वरित कार्यवाई की क्षमता बढ़ाई जा रही है। हम आपको यह भी

है। देखा जाये तो इस पूरे घटनाक्रम का सबसे विस्फोटक पहलू है होर्मुज जलडमरूमध्य। दुनिया के महत्वपूर्ण तेल और गैस समुद्री मार्गों में शामिल इस संकरे रास्ते पर तनाव बढ़ते ही उसका असर वैश्विक ऊर्जा बाजार पर पड़ता है। २ अक्टूबर को होर्मुज से गुजर रहे करीब २५ लाख बैरल क्षमता वाले एक सुपरटैंकर को अज्ञात प्रक्षेप्य से नुकसान पहुंचने की खबर ने जोखिम को और बढ़ा दिया। ऐसे घटनाक्रम से जहाजरानी कंपनियों, बीमा बाजार और तेल व्यापार पर तत्काल दबाव पड़ता है। यही कारण है कि अमेरिका की सैन्य गतिविधि के साथ–साथ ऊर्जा मोर्चे पर भी असाधारण हलचल दिखाई दे रही है। उधर, जी–७ देशों ने बढ़ती ऊर्जा कीमतों और आपूर्ति संकट को नियंत्रित करने के लिए अगले चार महीनों में १० करोड़ बैरल तेल और ईंधन भंडार बाजार में छोड़ने पर सहमति जताई है। इसमें डीजल की बड़ी मात्रा शुरुआती २० दिनों में ही जारी करने की योजना है। यह कदम अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के समन्वय से लागू किया जाएगा। यह फैसला अपने आप में बताता है कि मामला केवल अमेरिका और ईरान के बीच सैन्य टकराव तक सीमित नहीं रह गया है। पश्चिम एशिया का तनाव अब दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा और महंगाई के मोर्चे तक पहुंच चुका है।

संक्षिप्त समाचार

वैश्विक तनाव के बीच संयुक्त राष्ट्र

महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने की गांधीवादी मूल्यों को अपनाने की अपील

संयुक्त राष्ट्र, तीन अक्टूबर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने कहा कि बढ़ते विभाजन और संघर्ष के मौजूदा दौर में महात्मा गांधी की शिक्षाएं हमें नए सिरे से सचेत करती हैं। गुतारेस ने साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय से सहानुभूति की उस भावना को आत्मसात करने का आह्वान किया जिसकी पैरवी महात्मा गांधी करते थे। गांधी जयंती यानी दो अक्टूबर को हर वर्ष मनाए जाने वाले ‘अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस’ के अवसर पर जारी अपने संदेश में गुतारेस ने कहा, “इस अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस पर हम महात्मा गांधी के असाधारण जीवन और विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।” उन्होंने कहा कि गांधी ने अपने पूरे जीवन शांति के सिद्धांतों पर अडिग रहते हुए गहरे और स्थायी बदलाव लाने का प्रेरणादायी उदाहरण पेश किया। गुतारेस के मुताबिक, गांधी ने दिखाया कि अन्याय का मुकाबला करने का सबसे अच्छा तरीका व्यवस्था में मौजूद भेदभाव और दमन की क्रूरता तथा हिंसा का उसी तरह जवाब देना नहीं है, बल्कि संवाद और अहिंसा के माध्यम से आपसी समझ बनाना, गरिमा सुनिश्चित करना और स्थायी बदलाव लाना है। उन्होंने कहा, “बढ़ते विभाजन, तनाव और संघर्ष के इस दौर में गांधी की शिक्षाएं हमें नए सिरे से सचेत करती हैं।” संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कहा, “ लोग पीड़ित हैं, गरीबी और असमानता ने संपन्न और वंचित लोगों के बीच खाई बढ़ा दी है। शांति और विकास की बुनियाद–संयुक्त राष्ट्र चार्टर, मानवाधिकार, अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और संवाद को नजरअंदाज किया जा रहा है और उनका खुले तौर पर उल्लंघन किया जा रहा है।” उन्होंने कहा, “ इस बेहद तनावपूर्ण समय में आइए, गांधी के जीवन में दिखाई देने वाले साहस, सहानुभूति, गरिमा और साझा मानवता को अपनाएं। वास्तविक संवाद और कूटनीति के माध्यम से विभाजन को दूर करने, पीड़ा समाप्त करने और अहिंसा के जरिए शांतिपूर्ण विश्व बनाने के लिए काम करें।” इस अवसर पर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने ‘शांति और विकास के साधन के रूप में अहिंसा’ विषय पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि राजकुंतल हरीश पर्वतनेनी ने कहा कि सर्वोदय की अवधारणा के माध्यम से व्यक्ति गांधी की विकास दृष्टि आज दुनिया में समावेशी, समानतापूर्ण और सतत विकास की मौजूदा जरूरत को पूरा करती है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण के प्रति गांधी की सजगता उनकी इस बात में दिखाई देती है कि पृथ्वी हर व्यक्ति की जरूरत पूरी करने के लिए पर्याप्त संसाधन देती है, लेकिन हर व्यक्ति के लालच को पूरा करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि यह विचार आज जलवायु संबंधी चिंताओं के बीच काफी प्रासंगिक है और सतत जीवनशैली तथा पृथ्वी के प्रति जिम्मेदार संरक्षण का आह्वान करता है।

फ्रांस में छात्रों के उग्र प्रदर्शन से ४०० हाईस्कूल बंद, पुलिस पर पथराव और आगजनी

फ्रांस में हाई स्कूल के छात्रों ने आगजनी की और पुलिस पर चीजें फेंकीं। जवाब में पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर चल रहे विरोध प्रदर्शन के दौरान देश भर में नई झड़पें हुईं। सरकार का कहना है कि हाई स्कूल (सलबममें) में पढ़ने वाले किशोर छात्रों को अपनी शिकायतें रखने का पूरा अधिकार है, लेकिन उसने हिंसा की निंदा की है। इस हिंसा में युवाओं के एक समूह ने एक पुलिसकर्मी का पीछा किया, उसे लात मारी और पीटा। सितंबर में पेरिस इलाके से शुरू हुआ यह आंदोलन तेजी से पूरे देश में फैल गया। इसमें हाई स्कूल के आखिरी साल के छात्र इमारतों के रास्ते रोक रहे हैं और पुलिस से भिड़ रहे हैं। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, शुक्रवार को लगभग ४०० स्कूल बंद रहे और देश के ३,७०० हाई स्कूलों में से कम से कम ५६४ स्कूलों में पड़ाई बाधित हुई। छात्रों का कहना है कि उनके स्कूल के घंटे बहुत ज्यादा लंबे हैं, क्लासरूम में बहुत ज्यादा गर्मी जैसे हालात ठीक नहीं हैं और स्टाफ अक्सर गैर–हाज़िर रहता है। सेंट्रल पेरिस के टरगोट हाई स्कूल के बाहर १५ साल के साइमन ने कहा पूरे एक साल तक हमारे पास साइंस का कोई टीचर नहीं था। हमारे पास कोई टेक्सटबुक भी नहीं है। उसने अपना सरभम बताने से मना कर दिया। और फिर भी, हम लकी हैं। बाहरी इलाकों में तो हालात और भी बुरे हैं। AFP के एक फोटोग्राफ़र ने बताया कि पश्चिमी शहर ब्रेस्ट के केरियेन हाई स्कूल में जब छात्रों ने सुरक्षा बलों पर चीजें फेंकीं, तो पुलिस ने आंसू गैस का इस्तेमाल किया। वहीं, गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज़ ने कहा कि पूर्वी शहर बेलफोर्ट की तस्वीरों में युवाओं का एक समूह एक अकेले पुलिसकर्मी को घेरकर जमीन पर गिराकर लात मारता हुआ दिख रहा है, यह बेहद हिंसक और बर्दाश्त के बाहर है।

इस घटना के सिलसिले में १७ साल के एक हाई स्कूल छात्र को गिरफ़्तार किया गया। नुनेज़ ने बताया कि पुलिसकर्मी बेहोश हो गया था, लेकिन उसकी हालत चिंताजनक नहीं थी। ७क्ट के एक फोटोग्राफ़र ने बताया कि शुक्रवार को पेरिस में आग लगने से दो हाई स्कूलों – शहर के दक्षिण में लियोनार्ड डी विंची और दक्षिण–पूर्व में गैरस्टन–बैचेलार्ड – के प्रवेश द्वार क्षतिग्रस्त हो गए; आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड को बुलाया गया था। छात्रों ने पुलिस पर आरोप लगाया है कि वे प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने के लिए लगातार आंसू गैस के गोले दागते हैं, जिससे अत्यधिक बल का प्रयोग होता है और लोग घायल होते हैं। तीन प्रदर्शनकारियों के साथ बर्बरता के आरोपों के बाद पुलिस बल ने आंतरिक जांच शुरू कर दी है।

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक
 उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर ११५डी/२ई लूकरांज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर
२८९/२३८ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं. ९००५२३९३३२
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईन/२००४/२२४६६
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।